सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"संसार में सबसे ताकतवर व्यक्ति वही है जो धोखा खाने के बाद भी लोगों की भलाई करना नहीं छोड़ता...!!

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-282 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 31 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

भिलाई नगर निगम को मिले दो नए उप अभियंता, अभियंताओं की कमी से जूझ रहे निगम को मिलेगी थोड़ी राहत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बिलासपुर और कोटा से रितु श्रीवास्तव एवं नीतीश अमन साहू का भिलाई तबादला, अन्य निकायों से भी अधिकारी-कर्मचारी पहुंचे भिलाई

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बीती रात जारी स्थानांतरण आदेश में भिलाई नगर पालिक निगम को दो उप अभियंताओं की सौगात मिली है। बिलासपुर नगर निगम से रितु श्रीवास्तव तथा नगर पंचायत कोटा से नीतीश अमन साहू का स्थानांतरण भिलाई नगर निगम किया गया है। लंबे समय से उप अभियंताओं की कमी से जूझ रहे भिलाई निगम को इन दो अभियंताओं के आने से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा शासन द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों से अन्य अधिकारी-कर्मचारियों का भी भिलाई स्थानांतरण किया गया है। इनमें संजय शर्मा (नगर निगम कोरबा), धर्मेंद्र मिश्रा (नगर निगम रिसाली), भैयालाल असाटी (नगर निगम दुर्ग), अनीतो कुमार (भृत्य, नगर पंचायत महासमुंद), विजय पांडे (नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी), तरुण पाल लहरे (नगर पंचायत बस्तर) तथा सीमा बख्शी (नगर पंचायत दल्लीराजहरा) शामिल हैं। स्थानांतरण आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्थानांतरित अधिकारी-कर्मचारी अपने वर्तमान पदस्थापना स्थल से नवीन पदस्थापना स्थल पर सात दिवस के भीतर कार्यभार ग्रहण कर विभाग को इसकी सूचना देंगे। निर्धारित समय-सीमा में कार्यभार ग्रहण नहीं करने की स्थिति में वर्तमान पदस्थापना स्थल से वेतन आहरित नहीं किया जा सकेगा।

भिलाई नगर निगम में विकास एवं निर्माण कार्यों का दायरा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसके अनुपात में तकनीकी अधिकारियों की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है। निगम में कम से कम 15 अतिरिक्त उप अभियंताओं की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वहीं, कार्यों की निगरानी, गुणवत्ता नियंत्रण और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंताओं की भी जरूरत है। दो उप अभियंताओं की नई पदस्थापना से निश्चित रूप से निगम के कामकाज को थोड़ी गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन मौजूदा कार्यभार को देखते हुए यह संख्या पर्याप्त नहीं है। अब उम्मीद जताई जा रही है कि शासन भिलाई नगर निगम की वास्तविक जरूरतों और लंबित विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए जल्द ही और अनुभवी अभियंताओं की पदस्थापना करेगा, ताकि निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग और विभागीय व्यवस्था को मजबूती मिल सके।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला पति गिरफ्तार, जामुल पुलिस की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



थाना जामुल क्षेत्र में पत्नी को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 20 सितंबर 2026 को एसीसी कॉलोनी, जामुल निवासी अंजना शर्मा ने अपने पति संजीव कुमार शर्मा के साथ हुए पारिवारिक विवाद के चलते चूहे मारने की दवा का सेवन कर लिया था। परिजनों ने गंभीर हालत में उसे श्री शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान 25 सितंबर को उसकी मृत्यु हो गई।

घटना के बाद थाना जामुल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। मर्ग जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर पति की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इस पर थाना जामुल में अपराध क्रमांक 823/2026, धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में 29 अक्टूबर 2026 को आरोपी संजीव कुमार शर्मा (55 वर्ष), निवासी एमआईजी-78, जनता मार्केट के पास, पद्मनाभपुर, वर्तमान एसीसी कॉलोनी जामुल को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में अपराध स्वीकार करने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच पारिवारिक विवाद ही घटना का मुख्य कारण सामने आया है।

यह देशभक्तों और देशविरोधी तत्वों के बीच की लड़ाई है

देश की व्यवस्था घुसपैठियों के सहारे नहीं चलने दी जाएगी : जेपी नड्डा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत शुक्रवार को दुर्ग में विशाल आमसभा और पदयात्रा का आयोजन किया गया। महेश कॉलोनी स्थित राधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित आमसभा में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा विशेष रूप से शामिल हुए। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री केदार कश्यप, गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। भारत प्रजातंत्र की जननी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां की चुनावी प्रक्रिया की पूरी दुनिया सराहना करती है, लेकिन कांग्रेस चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर लोकतंत्र की छवि खराब कर रही है।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जब चुनाव जीतते हैं तो उन्हें चुनावी प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन हारते ही ईवीएम और चुनाव व्यवस्था को दोष देने लगते हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस की इस राजनीति को जनता को समझने की जरूरत है।

कांग्रेस प्रजातंत्र विरोधी, आपातकाल के लिए जिम्मेदार

जेपी नड्डा ने कांग्रेस को प्रजातंत्र विरोधी बताते हुए आपातकाल की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में आपातकाल के दौरान करीब एक लाख तीस हजार लोगों को जेल में डालकर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया गया था। ऐसे में आज कांग्रेस का लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की बात करना उचित नहीं लगता।

उन्होंने हालिया विधान परिषद चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि 28 सीटों में कांग्रेस को केवल एक सीट पर जीत मिली। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पाटी चार में से एक भी सीट हासिल नहीं कर सकी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उन्होंने कहा कि देश में अब तक 12 बार एसआईआर की प्रक्रिया हो चुकी है, जिनमें से 10 बार कांग्रेस के शासनकाल में और दो बार भाजपा के शासनकाल में यह प्रक्रिया पूरी की गई। मतदाता सूची को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची को साफ करने के लिए करीब 13 करोड़ नाम हटाए गए हैं।

नड्डा ने कहा कि यह देशभक्तों और देशविरोधी तत्वों के बीच की लड़ाई है। देश की व्यवस्था घुसपैठियों के सहारे नहीं चलने दी जाएगी। कांग्रेस जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है, जिसका भाजपा हर स्तर पर विरोध करेगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विष्णु सरकार ने प्रदेश की जनता का दिल जीता है।

कांग्रेस ने अनुच्छेद 356 का गलत राजनीतिक उपयोग किया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस की रीति-नीति से पूरा देश अवगत है। आपातकाल को देश आज भी भुला नहीं पाया है। जो कांग्रेस आज लोकतंत्र की दुहाई देती है, उसने अपने शासनकाल में बार-बार अनुच्छेद 356 का राजनीतिक लाभ उठाकर प्रतीय सरकारों को अस्थिर किया। कांग्रेस को लेकर देश की जनता मन बना चुकी है, इसलिए पूरे देश में उसे हार का सामना करना पड़ रहा है। संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का जो षड्यंत्र कांग्रेस कर रही है, उसे जनता समझ चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अत्यंत आवश्यक है और भाजपा जनजागरण के माध्यम से जनता के सामने वास्तविक तथ्य रख रही है।

आमसभा के बाद निकली पदयात्रा

शाम करीब चार बजे केंद्रीय मंत्री नड्डा और मुख्यमंत्री साय महेश कॉलोनी स्थित सभा स्थल पहुंचे। आमसभा के बाद करीब पांच बजे पदयात्रा शुरू हुई। महेश कॉलोनी पुलगांव चौक से शुरू हुई पदयात्रा ऋषभ नगर, पुलगांव नाला, गंजपारा होते हुए गंजपारा चौक में समाप्त हुई। पदयात्रा के दौरान जगह-जगह सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने जयकारे लगाए। इसके बाद नड्डा और मुख्यमंत्री एसएफ बटालियन हेलीपैड से हेलीकॉप्टर द्वारा रायपुर के लिए रवाना हो गए।

इस अवसर पर मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, विधायक ललित चंद्राकर, रिकेश सेन, ईश्वर साहू, महापौर अलका बाघमार, राकेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद रहे।

राहुल गांधी ने उठाया IDBI बैंक बिक्री का मुद्दा, कांग्रेस ने बताया संदिग्ध सौदा : सुप्रिया श्रीनेत

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली



नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कथित बैंक की बिक्री का मुद्दा उठाए जाने के बाद कांग्रेस ने मोदी सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के हवाले से IDBI बैंक की बिक्री को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं, वो इस पूरी डील को संदिग्ध बनाते हैं। कांग्रेस का आरोप है कि IDBI बैंक को कनाडा की Fairfax Financial Holdings को 52,878 करोड़ यानी 81 प्रति शेयर की दर से बेच दिया गया, जबकि इसका रिजर्व प्राइस ?94.42 तय किया गया था।

सुप्रिया के अनुसार बिक्री प्रक्रिया के बीच में ही नियम बदल दिए गए। Fairfax की पहली बिड 75 पर आई थी, जिसके बाद Core Group of Secretaries on Disinvestment ने वैल्यूएशन की पूरी प्रक्रिया ही बदल दी और नए बिड मांगे गए। Fairfax ने ?81 प्रति शेयर की नई बिड दी, जो अभी भी रिजर्व प्राइस से काफी कम थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया और बैंक पर लगे टैक्स में भी राहत दे दी।

कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि जनवरी 2019 में जब IDBI बैंक RBI के सख्त Prompt Corrective Action (PCA) फ्रेमवर्क के तहत था, तब छब्बे ने इसमें 21,624 करोड़ डाले थे। छब्बे का निवेश औसतन प्त?61 प्रति शेयर पर हुआ जिससे उसे 51% कंट्रोलिंग स्टेक मिला। उसी साल LIC ने ?4,743 करोड़ और डाले। इसके लिए LIC को IRDAI से विशेष छूट तब लेनी पड़ी, क्योंकि सामान्य नियम के तहत बीमा कंपनी किसी लिस्टेड कंपनी में 15% से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं ले सकती।

यानी पॉलिसीधारकों की बचत के ?26,000 करोड़ से अधिक का इस्तेमाल IDBI बैंक को बचाने में किया गया, ताकि उसे बाद में औने-पौने दाम पर बेचा जा सके। आज सरकार और LIC दोनों ही माइनॉरिटी शेयरहोल्डर हैं और उनके पास बोर्ड सीटें भी नहीं हैं।

सुप्रिया ने मोदी सरकार के आंतरिक नोट का हवाला देते हुए कहा कि सरकार ने इस बिक्री को इसलिए जरूरी बताया क्योंकि सरकार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, वैश्विक तेल महंगा है, ऋक्षककी कमी है और रुपया गिर रहा है।

सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि नियम और प्रक्रिया बदलने के लिए Railway Stores Code का हवाला दिया गया, जिसमें कबाड़ की नीलामी के बारे में कहा गया था कि रिजर्व प्राइस से कम बिड भी Depot Officer द्वारा स्वीकार की जा सकती हैं। इस नियम को शेयर सेल में कैसे लगा दिया गया, यह बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि सितंबर 2018 में IDBI बैंक का Gross NPA 31.78% था और बैंक ने लगातार 13 तिमाहियों तक लगभग ?41,800 करोड़ का नुकसान दर्ज किया था। बैंक मई 2017 में एफक्के ढउअ में गया और 10 मार्च 2021 को PCA से बाहर निकला।

छत्तीसगढ़ भाजपा को बड़ा झटका : अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा का निधन, हैदराबाद में चल रहा था इलाज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

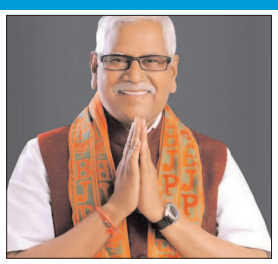

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले से दुखद खबर है। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा का शुक्रवार दोपहर हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि वे लंबे समय से फेफड़ों के संक्रमण से जूझ रहे थे। करीब 22 दिनों से उनका इलाज हैदराबाद में चल रहा था, इससे पहले रायपुर और दुर्ग में भी इलाज कराया गया था। दो दिन पहले स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अस्पताल पहुंचकर उनसे मुलाकात की थी।

दो बार बने अहिवारा से विधायक

कोर्सेवाड़ा का जन्म 12 अगस्त 1948 को हुआ था। उन्होंने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर और बीएड किया था। जनवरी 1972 में सहायक शिक्षक के रूप में सेवा शुरू की और करीब 34 साल तक शिक्षा विभाग में रहे, इसलिए उन्हें 'गुरुजी' के नाम से भी जाना जाता था।

परिसीमन के बाद 2008 में अस्तित्व में आई अहिवारा (अजजा) सीट से वे पहली बार भाजपा के टिकट पर विधायक बने थे और अहिवारा के पहले विधायक कहलाए। 2023 में 75 वर्ष की उम्र में उन्होंने दूसरी बार कांग्रेस के निर्मल कोसरे को 25,263 वोटों से हराकर जीत हासिल की और छठी विधानसभा के सबसे बुजुर्ग विधायकों में शामिल हुए। उनकी वरिष्ठता को देखते हुए राज्य सरकार ने अक्टूबर 2025 में उन्हें छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया था, जिसका कार्यभार उन्होंने 25 नवंबर 2025 को संभाला था।

शोक की लहर

कोर्सेवाड़ा राजमहंत होने के साथ-साथ राजनीति में भी महंत की तरह शांत, सरल और ज्ञानवान माने जाते थे। उनके निधन से अहिवारा क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी है। सीएम साय ने कहा- ?सूचना से स्तब्ध हूं।? भाजपा परिवार ने इसे अपूरणीय क्षति बताया है।

पार्थिव शरीर हैदराबाद से गृहग्राम लाया जाएगा, जहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह की माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पूज्य माताजी श्रीमती काशी बाई जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया है कि माताजी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। माँ का स्नेह और आशीर्वाद जीवन का सबसे बड़ा संबल होता है। उनका जाना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। दुःख की इस घड़ी में उनकी गहरी संवेदनाएँ केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं समस्त शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा महाकाल से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।



उदयाचल चिकित्सालय के सहयोग से मानव मिलन दुर्ग शाखा ने लगाया नि :शुल्क चिकित्सा जांच शिविर

उदयाचल संस्था के अशोक मोदी के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अंतरराष्ट्रीय मानव मिलन दुर्ग एवं श्री वधर्मान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में राजनांदगांव की सेवाभावी संस्था उदयाचल चिकित्सालय के सहयोग से नि:शुल्क नेत्र, दंत एवं त्वचा रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया।

उदयाचल संस्था के अशोक मोदी के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सेवाएं दीं। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. चेष्टा साहू ने अपनी टीम के साथ आधुनिक मशीनों से दंत एवं त्वचा रोगियों की जांच की। वहीं नेत्र परीक्षण के लिए विशेष रूप से सुसज्जित मिनी बस में लगी मशीनों से जांच की गई और जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मों का वितरण भी किया गया।



शिविर को सफल बनाने में आरती साहू, कुसुम बंजारे, प्रीति वैष्णव, नीरज कुमार, भारती साहू, राजेश जॉन, संगीता सलामे, ईशा श्रीवास एवं सृष्टि दास का विशेष सहयोग रहा। अंतरराष्ट्रीय मानव



मिलन दुर्ग के अध्यक्ष सुशील रूणवाल, मंत्री राजेश कोटेचा एवं पूरी टीम दिनभर सक्रिय रही। आयोजन में चंदा रूणवाल, अंकिता संचेती, संजय संचेती, विशाल संचेती सहित श्रमण संघ महिला मंडल की लता छाजेड़, रैना पारख, नेहा संचेती, प्रेरणा पारख, कुंजिका संचेती, कविता छाजेड़, दक्षिता लोढ़ा, रश्मि काकरिया, ममता कर्णावट, मेघा चोरड़िया, परिधि सुराणा एवं पूजा संचेती का सराहनीय सहयोग रहा। आयोजकों ने उदयाचल चिकित्सालय की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

शिविर में

- नेत्र जांच – 170 मरीज
- दंत चिकित्सा – 148 मरीज
- स्किन टेस्ट – 80 मरीज

कुल 398 लोगों का परीक्षण किया गया

खास खबर

भाजपा का लोकतंत्र बचाओ आंदोलन राजनीतिक दिखावा, लोकतंत्र को कमजोर करने वाली पार्टी अब बचाने का कर रही ढोंग : राहुल शर्मा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के महामंत्री राहुल शर्मा ने भाजपा द्वारा 30 अक्टूबर को दुर्ग में आयोजित किए जा रहे ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्न आंदोलन को राजनीतिक दिखावा और हास्यास्पद करार देते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों से केंद्र और लगभग एक वर्ष से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है।



ऐसे में भाजपा का लोकतंत्र बचाने के नाम पर पदयात्रा और आंदोलन करना समझ से परे है। जो पार्टी स्वयं लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोपों से घिरी है, वह आज लोकतंत्र की रक्षा का नारा दे रही है। यह आंदोलन जनता को गुमराह करने की कोशिश है।

राहुल शर्मा ने सवाल उठाया कि आखिर भाजपा किस लोकतंत्र को बचाने की बात कर रही है? उन्होंने रक्मक(विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे पर कर्नाटक के आलंद में 6,018 मतदाताओं के नाम कथित तौर पर फर्जी तरीके से हटाए जाने के मामले, बिहार में रक्मके दौरान 65 लाख मतदाताओं के नाम हटने की आशंका तथा छत्तीसगढ़ में 2023 विधानसभा चुनाव के बाद 12 लाख से अधिक मतदाताओं के नामों में गड़बड़ी की शिकायतों का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुचिता के नाम पर यदि मताधिकार प्रभावित होता है, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा असंवैधानिक घोषित की गई चुनावी बॉन्ड व्यवस्था के माध्यम से भाजपा को 8,252 करोड़ रुपये का चंदा मिलने का दावा सामने आया है, जो कुल बॉन्ड राशि का लगभग 48 प्रतिशत बताया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 2014 के 140वें स्थान से गिरकर 2024 में 161वें स्थान पर पहुंचना चिंताजनक है। वहीं, लोकतंत्र सूचकांक में भारत को ह्यत्रुटिपूर्ण लोकतंत्रह्न की श्रेणी में रखा जाना भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

शाह परिवार के सीक्रेट बॉक्स में मिले 4 करोड़ किसके? कोर्ट में आवेदन से हुआ बड़ा खुलासा

न्यायिक मजिस्ट्रेट अंजली सिंह ने 17 पेज के आदेश में सुपुर्दनामा आवेदन किया खारिज, SSP बोले – सभी दावे निराधार





नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

खाली पिकअप वाहन के सीक्रेट बॉक्स से मिले लगभग 4 करोड़ रुपए के मामले में नया मोड़ आ गया है। खुसीपार पुलिस द्वारा 25 अक्टूबर को जब्त की गई इस रकम को वापस लेने के लिए शाह परिवार ने न्यायालय में सुपुर्दनामा आवेदन लगाया था, जिसे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती अंजली सिंह की कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

क्या था परिवार का दावा?

आवेदक कमलेश आर. शाह निवासी गांधीनगर गुजरात और उनकी पुत्रियां खुशबू शाह व खुशाली शाह की ओर से अधिवक्ताओं ने कोर्ट में तर्क दिया कि मृतका श्रीमती नीना कमलेश शाह अपने जीवनकाल में मेसर्स मेक टेक के नाम से कृषि आधारित विभिन्न व्यवसाय बड़े पैमाने पर करती थीं। फर्म का पंजीयन भारत सरकार के उद्योग विभाग में है। फर्म द्वारा करोड़ों का व्यवसाय और करोड़ों का आयकर जमा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही 1,08,22,242 रुपए का आयकर जमा किया गया है।

फर्म का ऑडिट नियमित होता है और फर्म के पास नगद एवं बैंक जमा राशि 53,93,69,14,872 रुपए है। फर्म का एक कार्यालय नागपुर में भी स्थित है। फर्म की संचालिका नीना कमलेश शाह का निधन वर्ष 2025 में हो गया है और उनकी पुत्रियां खुशबू और खुशाली ही उनके विधिक वारिसान हैं। इसलिए जब्त राशि उन्हें सुपुर्द की जाए। अभियोजन और आयकर विभाग की आपत्ति अभियोजन पक्ष की ओर से चार अधिवक्ताओं ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। तर्क दिया गया कि जब्तशुदा राशि के संबंध में आयकर विभाग द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है। ऐसे में यदि राशि सुपुर्द की गई तो जांच प्रभावित हो सकती है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने आवेदकों के आवेदन को औचित्यहीन मानते हुए खारिज कर दिया।

SSP ने क्या कहा?

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने बताया कि रकम प्राप्त करने के लिए न्यायालय में आवेदन लगाया गया था। न्यायालय ने इस पर 17 पेज का विस्तृत निर्णय दिया है और आवेदकों द्वारा दिए गए सभी दावों को एक सिरे से खारिज कर दिया है। फिलहाल जब्त राशि पुलिस के पास सुरक्षित है और आयकर विभाग की जांच जारी है।

शिवनाथ शुक्ल की कहानी मिष्टी की डायरी का प्रसारण 2 नवंबर को आकाशवाणी रायपुर से

कहानी का प्रसारण साहित्यिक कार्यक्रम कथायन के अंतर्गत होगा



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुपरिचित कथाकार एवं वरिष्ठ पत्रकार शिवनाथ शुक्ल की नवीनतम कहानी मिष्टी की डायरी का प्रसारण 2 नवंबर को प्रातः 9 बजे आकाशवाणी रायपुर से किया जाएगा। कहानी का प्रसारण साहित्यिक कार्यक्रम कथायन के अंतर्गत होगा।

समकालीन सामाजिक मूल्यों, बदलती पारिवारिक परिस्थितियों और बाल मनोविज्ञान को केंद्र में रखकर लिखी गई यह कहानी बच्चों के जीवन, उनकी सोच और अभिभावकों की जिम्मेदारियों के विभिन्न पहलुओं को संवेदनशीलता के साथ उजागर करती है।

कहानी में दो भिन्न परिवेशों में पल रहे बच्चों के माध्यम से आज के समाज की एक महत्वपूर्ण तस्वीर प्रस्तुत की गई है। एक तरफ जहां मोबाइल की बढ़ती लत बच्चों को पारिवारिक संस्कारों और सामाजिक मूल्यों से दूर कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ऐसे बच्चे भी हैं जो अपने परिवार, सामाजिक परिवेश और अभिभावकों के प्रति संवेदनशील होने के साथ-साथ समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझते हैं।

इन्हीं दो विपरीत विचारधाराओं और बाल मन के अंतर्द्वंद्व को आधार बनाकर कहानी का ताना-बाना बुना गया है। कहानी कई विचारोत्तेजक सवाल भी उठाती है कि क्या बच्चों की संवेदनशील सोच वास्तविकता का रूप ले पाती है? क्या उनके छोटे-छोटे प्रयास समाज पर अपनी कोई सकारात्मक छाप छोड़ पाते हैं?

इन सवालों के जवाब कहानी के श्रवण के साथ ही सामने आएंगे। बाल मन की सहजता, पारिवारिक संस्कारों और सामाजिक उत्तरदायित्व के विविध पक्षों को रेखांकित करती ह्यमिष्टी की डायरीह्न श्रोताओं के लिए एक संवेदनशील और विचारणीय साहित्यिक प्रस्तुति होगी।

फर्जी मैरिज ब्यूरो का भंडाफोड़ : अकसे बनी लड़कियों की फोटो दिखाकर ठगी, सुपेला पुलिस ने 24 वर्षीय युवक को दबोचा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



शादी के नाम पर ठगी करने वाले फर्जी मैरिज ब्यूरो का दुर्ग पुलिस ने पर्दाफाश किया है। सुपेला पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कल्याण मैट्रिमोनी, एलिट मैच और फ्यूचर पार्टनर के नाम से कॉल सेंटर चला रहे आरोपी परमानंद यादव (24) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी उत्तर गंगोत्री भवन, यूनियन बैंक के पास सुपेला में हॉल लेकर फर्जी ब्यूरो चलाता था। फेसबुक-इंस्टा पर अक से बनी काल्पनिक सुंदर युवतियों की फोटो और फर्जी नंबर डालकर विज्ञापन देता था। शादी के इच्छुक युवक संपर्क करते तो बायोडाटा लेकर पसंद की लड़की दिलाने का झांसा देता और कांउसलर के नाम के दफ कोड / बैंक खाते में ?2000 और अन्य रकम वसूलता, फिर नंबर ब्लैकलिस्ट कर देता था।

मुखबिर की सूचना पर 29 अक्टूबर को पुलिस ने दबिश दी तो मौके पर आरोपी और 4 युवतियां काम करती मिलीं। युवतियों ने बताया कि उन्हें ??7000 वेतन पर मैरिज कांउसलर बताकर रखा गया था और 2 दिन ट्रेनिंग देकर कॉल करवाए जाते थे।

आरोपी पिछले 3 माह से रोज 20 से 50 कॉल कर देश के कई राज्यों में ठगी कर रहा था। समन्वय पोर्टल पर उसके बैंक खातों के खिलाफ पहले से शिकायतें मिली हैं।

जब्ती – कुल 2,83,600 की संपत्ति, नकद 1,64,00- 22 कीपैड मोबाइल + 4 एंड्रॉयड (मोटोरोला, वनप्लस, आईफोन) – 78,000 16 सिम (एयरटेल) – 1,600, कंप्यूटर सेट, वाई-फाई शामिल है।

हॉस्पिटल सेक्टर के मजदूरों की आवास समस्या : विधायक देवेंद्र यादव के साथ पहुंचे कलेक्टर के पास

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



हॉस्पिटल सेक्टर में निवासरत सैकड़ों मजदूरों ने अपने आवास की समस्या को लेकर जिला कलेक्टर के समक्ष अपनी व्यथा रखी। इस दौरान भिलाई विधायक देवेंद्र यादव भी हॉस्पिटल सेक्टरवासियों के साथ कलेक्टर से मिलने पहुंचे।

मेहनतकश आवास अधिकार संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विधायक देवेंद्र यादव ने कलेक्टर से आग्रह किया कि इन परिवारों को बेदखल होने से बचाया जाए और फिलहाल उनकी बस्तियों को यथावत रखा जाए। विधायक ने कहा कि यदि भिलाई इस्पात संयंत्र (इरद) आवास निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करा देता है, तो नगर निगम उसी के आसपास निवासियों के लिए आवास निर्माण कर सकता है। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल सेक्टर के आसपास लगभग 400 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यदि इन परिवारों को दूर विस्थापित किया जाता है तो बच्चों की पढ़ाई और लोगों का रोजगार दोनों प्रभावित होंगे। इसलिए आवास की व्यवस्था हॉस्पिटल सेक्टर के आसपास ही की जानी चाहिए। जिला कलेक्टर ने इस मामले पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि इस दिशा में काम किया जाएगा। इस दौरान विधायक देवेंद्र यादव के साथ नारायण राव, कलादास डेहरिया, सुंदरिया, शारदा मेश्राम, अरुणा, वजरम्मा, लता साहू, संजना सहित सैकड़ों निवासी उपस्थित थे।

आयोजन

150 विद्यार्थियों ने लगाई एकता दौड़, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को किया नमन

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में उत्साहपूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग



लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक श्री पुरुषोत्तम साहू एवं डॉ. अजय आर्य थे।

राष्ट्रीय एकता दौड़ का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पुष्पा बड़ा एवं प्रधानाध्यापक श्री कमल सोनी ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ में लगभग 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। स्वतंत्रता के बाद देश की 560 से अधिक रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

प्राचार्या पुष्पा बड़ा ने कहा राष्ट्रीय एकता देश की सबसे बड़ी शक्ति है। विद्यार्थियों को बचपन से ही एकता, अनुशासन, सहयोग और राष्ट्रप्रेम के संस्कार आत्मसात करने चाहिए।

प्रधानाध्यापक कमल सोनी ने कहा - सरदार पटेल का जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल है।

मुख्य संयोजक पुरुषोत्तम साहू ने कहा - राष्ट्रीय एकता दौड़ का उद्देश्य विद्यार्थियों में देश की एकता और अखंडता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। समुख्य संयोजक डॉ. अजय आर्य ने कहा - भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता है। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना और आपसी सद्भाव बनाए रखना ही सरदार पटेल के विचारों के प्रति सच्चा सम्मान है।

कार्यक्रम में रीखेंद्र, बिंदु साहू सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। समापन राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

भिलाई के आदिवासी नृत्य दल को बड़ा सम्मान, आज ढट मोदी के समक्ष देंगे प्रस्तुति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण। भिलाई के प्रसिद्ध आदिवासी नृत्य दल को राष्ट्रीय मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर मिला है। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर गुजरात के केवडिया स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित मुख्य राष्ट्रीय समारोह में आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के समक्ष भिलाई के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

जानकारी के अनुसार प्रसिद्ध लोककलाकार अमर श्रीवास एवं दीपशिखा श्रीवास के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के 32 कलाकारों का आदिवासी नृत्य दल इस समारोह में शामिल होने के लिए गुजरात पहुंचा है। दल छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और लोकनृत्य की झलक देशभर से आए लोगों के सामने पेश करेगा। एकता दिवस समारोह का आयोजन स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवडिया के तत्वावधान में किया जा रहा है, जहां लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर देशभर के सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। इसमें छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व भिलाई का यह दल कर रहा है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूबरू हुई छत्तीसगढ़ की महिला उद्यमी हीना

गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में प्रधानमंत्री को बताई बिहान से आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं आज अपनी मेहनत, उद्यमशीलता और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। इसकी एक प्रेरणादायक झलक गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व 2026 में देखने को मिली, जब कोरिया जिले की महिला उद्यमी एवं मिलेट्स कैफे की संचालिका श्रीमती हीना को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से रूबरू होने और अपनी सफलता की कहानी साझा करने का अवसर मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि किस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी से संवाद के दौरान श्रीमती हीना ने बताया कि कोरिया जिले में उनके द्वारा संचालित मिलेट्स कैफे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन गया है। इस कैफे से जुड़कर 37 महिलाएं विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर रही हैं। कभी सीमित आजीविका के साधनों पर निर्भर रहने वाली ग्रामीण महिलाएं आज अपने हुनर और सामूहिक प्रयासों से स्वरोजगार की नई पहचान बना रही हैं।

श्रीमती हीना ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' ने महिलाओं को संगठित होकर आगे बढ़ने और अपनी क्षमताओं को उद्यम में बदलने का अवसर प्रदान किया है। कोरिया मिलेट्स कैफे इसी सामूहिक उद्यमशीलता का सफल उदाहरण है।

श्री अन्न के स्वाद से देशभर में पहुंच रही छत्तीसगढ़ की पहचान

श्रीमती हीना ने प्रधानमंत्री को बताया कि कोरिया मिलेट्स कैफे में मोटे अनाज अर्थात श्री अन्न से विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं पारंपरिक





छत्तीसगढ़ी व्यंजन तैयार किए जाते हैं। इसके माध्यम से एक ओर पोषणयुक्त खानपान को प्रोत्साहन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की समृद्ध खाद्य संस्कृति और स्थानीय व्यंजनों को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत पर्व में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक मिलेट्स व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया है। इस स्टॉल के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वाद, स्थानीय खाद्य संस्कृति और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता से परिचित कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गुजरात के एकता नगर में 30 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक भारत पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के शिल्पकार, उद्यमी और स्व-सहायता समूह अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजनों एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन कर रहे हैं।

खास खबर

प्रधानमंत्री सम्मान निधि : 86 हजार से अधिक किसानों के खातों में पहुंचे 17.70 करोड़ रुपये



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से किया राशि का हस्तांतरण

जिला एवं विकासखंड स्तर पर आयोजित हुए कार्यक्रम, किसानों ने देखा सीधा प्रसारण

किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और कृषि कार्यों में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जिले के 86 हजार 231 किसानों के बैंक खातों में 24वीं किश्त के रूप में कुल 17 करोड़ 70 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से देशभर के पात्र किसानों के खातों में योजना की 24वीं किश्त की राशि का हस्तांतरण किया। इस अवसर पर जिले के किसानों ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा।

जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, चमारी ढकेलकापा में किया गया। यहां लाभार्थी किसानों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों एवं बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता की। जिला स्तरीय कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो, जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष श्री रामकमल सिंह परिहार, कृषि जनपद पंचायत मुंगेली के सभापति श्री दिलेश्वर राज साहू, जनपद सभापति श्री पवन पाण्डेय, श्री हरिसिंह परिहार, प्रगतिशील कृषक श्री भूपेन्द्र सिंह ठाकुर, उप संचालक कृषि श्रीमती वीणा ठाकुर, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सतीश वर्मा एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ. संतोष लहरे सहित कृषि विभाग एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी तथा किसान उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण किसान कल्याणकारी योजना है, जिसका संचालन वर्ष 2019 से किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किश्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। योजना के तहत अब तक पात्र किसानों को पहली से 23वीं किश्त तक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। अब 24वीं किश्त के हस्तांतरण से किसानों को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला है। छत्तीसगढ़ 24.60 लाख किसानों को पीएम सम्मान निधि की राशि 4.98 करोड़ रूपए उनके खातों में अंतरित की गई।

किसानों की सुविधा के लिए राज्य सरकार का बड़ा निर्णय प्रदेश में 360 नए धान उपार्जन केंद्रों को स्वीकृति

धान खरीदी केंद्रों की संख्या 2,740 से बढ़कर हुई 3,100, किसानों को मिलेगी लंबी कतारों से राहत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी को अधिक सुगम, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, उपार्जन केंद्रों में अनावश्यक प्रतीक्षा से राहत मिले और कम समय में अधिक किसान अपनी उपज का विक्रय कर सकें, इस उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश में 360 नए धान उपार्जन केंद्रों को स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही प्रदेश में धान उपार्जन केंद्रों की संख्या 2,740 से बढ़कर 3,100 हो गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि अन्नदाता किसानों की मेहनत का सम्मान और उनकी सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। धान खरीदी की प्रक्रिया में किसानों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नए उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति का उद्देश्य केवल केंद्रों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों के लिए धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया को अधिक सरल, सुलभ और सुविधाजनक बनाना है।

नए उपार्जन केंद्रों से किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

राज्य सरकार द्वारा 360 नए उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति से प्रदेश में धान खरीदी की व्यवस्था का व्यापक विस्तार होगा। नए केंद्रों के प्रारंभ होने से किसानों को अपने गांव अथवा आसपास के क्षेत्रों में धान विक्रय की सुविधा मिलेगी। इससे धान लेकर दूरस्थ उपार्जन केंद्रों तक जाने की आवश्यकता कम होगी और परिवहन पर होने वाले खर्च में भी बचत होगी।

अब तक जिन उपार्जन केंद्रों पर अधिक संख्या में किसानों के पहुंचने के कारण भीड़ और प्रतीक्षा की स्थिति बनती थी, वहां भी नए केंद्रों के प्रारंभ होने से दबाव कम होगा। किसानों का आवागमन विभिन्न केंद्रों में विभाजित होने से धान की तौल, गुणवत्ता परीक्षण और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने में सहायता

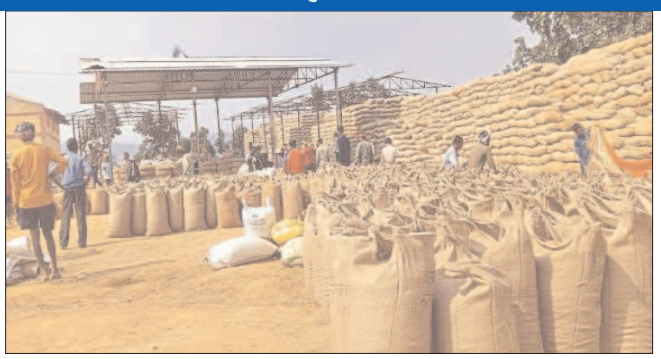

मिलेगी। इस निर्णय से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए कम समय देना पड़ेगा और वे अपने कृषि कार्यों तथा अन्य आवश्यक गतिविधियों के लिए अधिक समय निकाल सकेंगे। विशेष रूप से छोटे एवं सीमांत किसानों को इससे सुविधा मिलने की अपेक्षा है।

दो लाख से अधिक किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

प्रदेश में स्वीकृत 360 नए धान उपार्जन केंद्रों से दो लाख से अधिक पंजीकृत किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इन किसानों को नए केंद्रों के माध्यम से टोकन प्राप्त करने और निर्धारित अवधि में धान विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

नए उपार्जन केंद्रों के संचालन से धान खरीदी की क्षमता का विस्तार होगा। एक ही समय में अधिक केंद्रों पर खरीदी होने से अधिक संख्या में किसानों का धान निर्धारित अवधि के भीतर खरीदा जा सकेगा। इससे पुराने केंद्रों पर किसानों की निर्भरता कम होगी और धान विक्रय के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा की समस्या में कमी आएगी।

राज्य सरकार का प्रयास है कि धान खरीदी की व्यवस्था ऐसी हो, जिसमें किसानों को कम दूरी तय करनी पड़े, कम समय लगे और उनकी उपज का विक्रय सुचारू रूप से संपन्न हो।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, 15 जनवरी तक चलेगी प्रक्रिया

राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान खरीदी की अवधि 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक निर्धारित की है। निर्धारित अवधि में प्रदेश के पंजीकृत किसानों से धान की खरीदी की जाएगी।

धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले उपार्जन केंद्रों पर आवश्यक तैयारियां पूरी करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को शुरुआत से ही व्यवस्थित सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। नए केंद्रों की स्वीकृति से खरीदी कार्य को अधिक विकेंद्रीकृत बनाने में सहायता मिलेगी। इससे सीमित केंद्रों पर किसानों की भीड़ एकत्र होने के बजाय विभिन्न केंद्रों पर धान खरीदी की प्रक्रिया समानांतर रूप से संचालित हो सकेगी।

तुंहर टोकन मोबाइल एप से घर बैठे मिलेगी सुविधा

धान विक्रय के लिए किसानों को समितियों में बार-बार आने और टोकन प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता कम करने के उद्देश्य से इस वर्ष भी तुंहर टोकन मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन की व्यवस्था की गई है।

किसान अपने मोबाइल फोन से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे। यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। इससे किसानों को अपनी सुविधा के अनुसार टोकन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और टोकन लेने के लिए निर्धारित समय में समिति पहुंचने की बाध्यता नहीं रहेगी।

ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसानों को धान विक्रय की पूर्व तैयारी करने में भी सुविधा होगी। वे निर्धारित तिथि के अनुसार धान के परिवहन एवं विक्रय की योजना बना सकेंगे। इससे उपार्जन केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ कम करने और खरीदी कार्य को व्यवस्थित बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

2 से 5 नवंबर तक ट्रायल रन, 10 नवंबर से मिलेंगे टोकन

धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए राज्य सरकार ने अग्रिम तैयारियों पर विशेष जोर दिया है। इसके अंतर्गत 2 नवंबर से 5 नवंबर 2026 तक समितियों में ट्रायल रन आयोजित किया जाएगा। इस दौरान टोकन संबंधी प्रक्रियाओं और आवश्यक तकनीकी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया जाएगा, ताकि वास्तविक खरीदी प्रारंभ होने से पहले संभावित समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान किया जा सके। किसानों के लिए 10 नवंबर 2026 से टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था प्रारंभ होगी। इससे किसानों को 15 नवंबर से शुरू होने वाली धान खरीदी के लिए पहले से तैयारी करने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

समय और परिवहन खर्च की बचत से किसानों को होगा आर्थिक लाभ

नए उपार्जन केंद्रों की स्थापना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य धान विक्रय से जुड़े किसानों के अतिरिक्त खर्च को कम करना भी है।

दूरस्थ उपार्जन केंद्रों तक धान पहुंचाने के लिए किसानों को परिवहन की व्यवस्था करनी पड़ती है। अधिक दूरी होने पर परिवहन खर्च बढ़ता है और समय भी अधिक लगता है। नए केंद्रों के माध्यम से धान विक्रय की सुविधा नजदीक उपलब्ध होने पर किसानों को इन दोनों स्तरों पर राहत मिलेगी।

इसी प्रकार, खरीदी केंद्रों पर भीड़ कम होने से किसानों को धान विक्रय के लिए लंबे समय तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। इससे उनकी श्रमशक्ति और समय की बचत होगी।

राज्य सरकार की मंशा है कि किसानों को धान का निर्धारित मूल्य मिलने के साथ ही विक्रय प्रक्रिया में लगने वाले अनावश्यक खर्च और परेशानियों से भी राहत मिले। धान खरीदी के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

किसानों की संतुष्टि और सुविधाजनक धान खरीदी पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। उनकी मेहनत से खेतों में उपजने वाला धान प्रदेश की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ऐसे में यह आवश्यक है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को केवल उनकी उपज का उचित मूल्य देने तक सीमित नहीं है, बल्कि धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। 360 नए उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति, ऑनलाइन टोकन की सुविधा और खरीदी से पहले व्यवस्थाओं का परीक्षण इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी अन्नदाता धान बेचने के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करे। किसानों के समय, श्रम और धन की बचत हो तथा उन्हें अपनी मेहनत का पूरा सम्मान मिले।

सहायता

छत्तीसगढ़ सरकार की आर्थिक सहायता से घरेलू खर्च के साथ बेटियों की पढ़ाई और भविष्य के लिए बचत कर रही महिलाएं

महतारी वंदन से बेटी पढ़ाओ को मिल रहा संबल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज में महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत आधिकारिक रूप से 1 मार्च 2024 को हुई थी और इसका औपचारिक शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को किया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा है कि मोदी की गारंटी का मतलब होता है, गारंटी पूरी होने की गारंटी।

यह योजना के तहत राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं को लाभ प्रदान की जा रही है इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी इस योजना का लाभ ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ बेटियों के भविष्य को संवारने का जरिया बन रही है। योजना से मिलने वाली राशि का एक हिस्सा वे सुकन्या समृद्धि खातों में जमा



कर रही हैं, ताकि आगे चलकर बेटियों की उच्च शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए आर्थिक संबल मिल सके। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ह्वाबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व के संकल्प को जमीनी स्तर पर मजबूती दे रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मातृशक्ति का सम्मान और उनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सरकार के लिए केवल एक योजना या कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन की प्रमुख प्राथमिकता है। हमारा विश्वास है कि जब परिवार की महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। बच्चों की शिक्षा और पोषण से लेकर परिवार के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़े निर्णयों तक उसकी भागीदारी और मजबूत होती है। इसलिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से सरकार माताओं-बहनों के हाथों में आर्थिक सामर्थ्य देकर उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने का आत्मविश्वास दे रही है।

दंतेवाड़ा जिले के बोदरी गांव की प्रमिला पोतामी के लिए बेटी की पढ़ाई के लिए बचत करना पहले आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित मासिक सहायता ने उनके लिए बचत की राह खोली है। प्रमिला कहती हैं, ह्नहमारी आमदनी इतनी नहीं है कि कुछ बचाकर रख सकें। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि बड़ी मददगार है। इस राशि का कुछ हिस्सा मैं सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं जो आगे चलकर बेटी की पढ़ाई में काम आएंगे। ह्नदक्षिण बस्तर का दंतेवाड़ा लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा है। ऐसे क्षेत्र में बेटी की शिक्षा के लिए बचत का यह प्रयास बदलती आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य को नई उम्मीद दे रहा है। प्रमिला की तरह कुछ अन्य महिलाएं भी मासिक सहायता का हिस्सा बेटियों के नाम बचत करने में लगा रही हैं।

इस योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, इससे महिलाएं अपनी आय के स्रोत विकसित कर कर अपने परिवार का आर्थिक रूप से सहयोग कर रही हैं। इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिल रही है, इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागरूक होने और उन्हें प्राप्त करने में मदद मिल रही है। रायपुर जिले के रावेली गांव की मीना निषाद ने भी अपनी बेटी महिमा के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया है। वह कहती हैं, ह्नमहतारी वंदन योजना से हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। मैं यह राशि अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हूं। मैं चाहती हूं कि आगे चलकर यह बचत उसकी पढ़ाई और भविष्य की जरूरतों में काम आए ह्नसूरजपुर जिले के प्रतापपुर विकासखंड के पर्री गांव की अंजू कुशवाहा भी इसी तरह बचत कर रही हैं। वह मासिक सहायता की कुछ राशि बेटी के सुकन्या खाते में जमा करती हैं और शेष रकम घरेलू खर्चों पर लगाती हैं। उनके मुताबिक, नियमित आर्थिक मदद से भविष्य के लिए थोड़ी-बहुत बचत कर पाने का भरोसा बढ़ा है।

वहीं, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के बघमरा गांव की दीपाली मरकाम इस राशि का इस्तेमाल बच्चों की स्कूली जरूरतों और बेटी के भविष्य के लिए बचत करने में कर रही हैं। उनका कहना है कि हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करें और जीवन में आगे बढ़ें, लेकिन सीमित घरेलू संसाधनों के बीच भविष्य के लिए पैसे बचाना आसान नहीं होता। मासिक सहायता से उन्हें बच्चों की पढ़ाई में योगदान देने और बेटी के लिए बचत करने में मदद मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नारी, ज्ञान है हमारी..

सुशासन की सरकार महतारी वंदन योजना के माध्यम से हर माह 1,000 यानी सालाना 12,000 की आर्थिक सहायता देकर प्रदेश की माता-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 8 अक्टूबर 2026 को योजना की 32 वीं किस्त के रूप में 67 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में डी बी टी के माध्यम से 632.40 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की गई है। अब तक 20,708 करोड़ से अधिक की राशि महतारी वंदन योजना के माध्यम से माता-बहनों को प्रदान की जा चुकी है।

संपादकीय

परिवर्तन का एक दशक

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में पदभार संभाला, तब कृषि और किसान कल्याण को भारत के विकास एजेंडे के केंद्र में रखा गया। वर्ष 2015 से यह प्रतिबद्धता उत्पादन और कृषि आय में सुधार से आगे बढ़कर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक, सुदृढ़, प्रौद्योगिकी- आधारित और टिकाऊ बनाने के व्यापक परिवर्तन में परिलक्षित हुई है। प्रधानमंत्री ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि विकसित भारत के लिए भारतीय कृषि का भी विकास होना चाहिए। उन्होंने यह भी आह्वान किया है कि भारत केवल अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक खाद्य आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरे। लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान, जय किसान और अटल बिहारी वाजपेयी के जय विज्ञान के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने देश को जय अनुसंधान का मंत्र दिया। इस मंत्र के माध्यम से उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को भारत की कृषि के भविष्य के केंद्र में स्थापित किया। ये शब्द केवल नीतिगत दिशा का वक्तव्य नहीं थे, बल्कि एक व्यावहारिक दृष्टि के परिचायक थे, जिसकी दूरदर्शिता और विवेक की पुष्टि एक दशक बाद सामने आए साक्ष्यों से स्पष्ट रूप से हुई।

खाद्य सुरक्षा से कृषि के नए प्रतिमान तक-यह विजन भारतीय कृषि को देखने के हमारे दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। हरित क्रांति ने भारत को खाद्य सुरक्षा प्रदान की। आज हमारी जिम्मेदारी पोषण सुरक्षा, किसानों की समृद्धि, संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की मजबूत नींव तैयार करना है। भारत की कृषि यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है। कभी खाद्य आयात पर निर्भर रहने वाला भारत कुछ ही दशकों में प्रमुख अनाजों के मामले में आत्मनिर्भर बन गया। हरित क्रांति को विज्ञान, उन्नत बीजों, सिंचाई, बुनियादी ढांचे, संस्थागत ऋण, कृषि विस्तार सेवाओं और नीतिगत सहायता से गति मिली। इससे यह सिद्ध हुआ कि जब वैज्ञानिक क्षमता और राजनीतिक प्रतिबद्धता किसी राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए एक साथ आती हैं, तो क्या कुछ अर्जित किया जा सकता है। लेकिन कृषि को अतीत की प्राथमिकताओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। किसानों की आकांक्षाएं बदल गई हैं, नागरिकों के उपभोग के तौर-तरीके बदल गए हैं, बाजार बदल गए हैं और जलवायु भी बदल रही है।

व्यापक आधार पर कृषि विकास का एक दशक-इसलिए वर्ष 2015 से जारी परिवर्तन महत्वपूर्ण है। वर्ष 1995-96 और 2014-15 को संरचनात्मक बदलाव के महत्वपूर्ण पड़ाव माना गया है, क्योंकि ये भारतीय कृषि के विकास के अलग-अलग चरणों को दर्शाते हैं। पहला चरण आर्थिक उदारीकरण के क्रमिक प्रभाव, बाजारों के साथ बढ़ते एकीकरण, बदलते उपभोग पैटर्न और अनाज उत्पादकता वृद्धि की धीमी गति को दर्शाता है। दूसरा चरण सिंचाई के विस्तार, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, बाजार सुधारों तथा स्थिरता और जलवायु अनुकूलन पर बढ़ते ध्यान से प्रेरित अधिक विविधीकृत, प्रौद्योगिकी-सक्षम और सुदृढ़ कृषि प्रणाली के उभार का संकेत देता है। कृषि विकास की औसत दर 1967-1995 के दौरान लगभग 2.7 प्रतिशत और 1996-2014 के दौरान लगभग 3.0 प्रतिशत थी। यह 2015-2025 के दौरान बढ़कर लगभग 4.5 प्रतिशत हो गई (खाद्यान्न उत्पादन में 8.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष, फल एवं सब्जियों में 7.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष तथा दूध में भी अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पिछले दो वर्षों में खाद्यान्न उत्पादन में असाधारण वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रति वर्ष 22.1 मिलियन टन रही और पिछले वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। यह उपलब्धि केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, कार्यक्रमों के प्रभावी संयोजन, जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण, लक्षित निवेश और किसानों को बढ़े हुए समर्थन के संयुक्त प्रभाव को दर्शाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि अब व्यापक आधार पर हो रही है और इसे केवल अनाज ही नहीं, बल्कि बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन तथा अन्य उच्च-मूल्य वाले कार्यकलापों से भी बल मिल रहा है। यही कृषि भारत के विकास के अगले चरण को गति देगी।

हमारा उद्देश्य अब केवल अधिक उत्पादन तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें कम संसाधनों--कम पानी, कम भूमि, कम ऊर्जा और अनावश्यक कृषि आदानों के कम उपयोग--के साथ अधिक उत्पादन करना होगा, साथ ही बेहतर गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और अधिक पौष्टिक खाद्य तैयार करना होगा। भारत में उपभोग के बदलते स्वरूप से भी इसका स्पष्ट संकेत मिलता है। ग्रामीण भारत में 1972-73 में खाद्य व्यय का लगभग 57 प्रतिशत हिस्सा अनाज पर खर्च होता था; 2022-23 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में दूध और दुग्ध उत्पादों, फलों, सब्जियों, अंडों, मांस और मछली का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर करीब 48 प्रतिशत हो गया। शहरी क्षेत्रों में भी उपभोग का रुझान इसी तरह बदला है। हमारी कृषि को इस नए भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप ढलना होगा। इसका अर्थ है दलहनों तिलहनों, फलों, सब्जियों, डेयरी, मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन और अन्य उच्च-मूल्य वाली कृषि उपज पर अधिक ध्यान देना। इसका अर्थ खाद्य सुरक्षा की सीमित अवधारणा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा की दिशा में बढ़ ?ा भी है। किसानों को उन मूल्य शृंखलाओं से जोड़ ?ा आवश्यक है, जहां वास्तविक आर्थिक अवसर तेजी से ग्रेडिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात में केंद्रित हो रहे हैं।

किसान-केंद्रित विकास की व्यवस्था तैयार करना-भारत सरकार ने इस बदलाव के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जल के कुशल उपयोग को बढ़ावा दे रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पहल ने मिट्टी की जांच और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को कृषि संबंधी निर्णयों के केंद्र में रखा है। पीएम-कुसुम कृषि को नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ रही है।

घट गया राज्य पुरस्कारों का महत्व

दिवाकर मुक्तिबोध



आगामी एक नवंबर को नये राज्य के रूप में छत्तीसगढ़ के 22 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। प्रत्येक वर्ष राज्योत्सव में सांस्कृतिक आयोजनों के अलावा किसी न किसी रूप में राज्य के विकास में विशेष योगदान देने वाले विद्वानों को राज्य अलंकरण से पुरस्कृत किया जाता है। प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी के कार्यकाल में 16 पुरस्कार दिए जाते थे जो भाजपा के पंद्रह वर्षों के शासन में बढकर बाइस हुए और अब कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार में इनकी संख्या बढाकर 36 कर दी गई है। यानी छत्तीसगढ़ के 36 पुरस्कार। राज्य पुरस्कारों के मामले में जैसी राजनीति व दखलंदाजी प्रायः हर जगह चलती है, उससे छत्तीसगढ़ भी मुक्त नहीं है। इसीलिए दो दशक से अधिक वर्ष बितने के बावजूद इन पुरस्कारों की जो अहमियत, जो गरिमा स्थापित होनी चाहिए थी वह नहीं हुई। एक तरह से ये पुरस्कार सरकार की नज़ ? में भी औपचारिक बन कर रह गए हैं और रेवडी की तरह बांटे जाते हैं। इसीलिए बहुत से ऐसे लोग पुरस्कृत होते रहे हैं जो इन पुरस्कारों के योग्य नहीं थे। लिहाजा अपने ही राज्य में इन पुरस्कारों की महत्ता लगभग खत्म हो गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी जो एक दो पुरस्कार हैं , उनकी भी यही स्थिति हैं।

एक ऐसा राज्य जो विकास की दौड़ में बहुत तेजी से आगे बढ रहा है और जिसका सांस्कृतिक परिदृश्य बहुत गहरा व लुभावना है और जिसके मुख्यमंत्री भूपेश बघेल स्वयं इसे बढावा दे रहे हैं, इसमें रचे-बसे हैं, तब राज्य पुरस्कारों की बंदरबांट आहत करती है। यद्यपि बीते वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों के योग्य व्यक्ति भी चुने गए हैं पर उनकी संख्या न्यून है। दरअसल इन पुरस्कारों पर माफिया का कब्जा हो गया है जो विभिन्न तरीकों से नौकरशाही व चयन समिति को प्रभावित करता है। पुरस्कारों के चयन के लिए सरकार द्वारा निर्धारित पद्धति यद्यपि पारदर्शी है लेकिन दीवारें इस कदर कच्ची हैं कि पुरस्कार के भूखे लोग इसमें सेंध लगा देते हैं और उनकी घेरेबंदी शुरू हो जाती है। अनेक दफे इस घेरेबंदी की चपेट में नौकरशाही व ज्यूरी भी आ जाती हैं।

राज्य अलंकरण सरकार का बहुत महत्वपूर्ण और जरूरी कार्य है। इसके जरिए केवल प्रतिभा का ही सम्मान नहीं होता, राज्य का भी गौरव बढ़ता है। इसलिए इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि सभी पुरस्कारों के लिए चयन ऐसे ही व्यक्तियों का होना चाहिए जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में अप्रतिम कार्य किया हो, बडी उपलब्धियां हासिल की हो और जिनकी जनप्रतिष्ठा हो। लेकिन चयन की दोषपूर्ण पद्धति की वजह से ऐसे लोग भी चुन लिए जाते हैं जो पुरस्कार सम्मान के काबिल नहीं होते। इसमें राजनीति, लाबिंग, व्यक्तिगत पसंदगी का पुट तो रहता ही है लेकिन बडी वजह है आवेदनों की अत्यल्प प्रविष्टियां। यह सचमुच निराशाजनक है कि प्रदेश में एक से बढकर एक प्रतिभाओं की मौजूदगी के बावजूद पुरस्कारों के लिए औसतन 7-8 ही आवेदन सरकार के पास पहुंचते हैं। आवेदनों की अल्पता के बावजूद इन प्रविष्टियों में से किसी एक का पुरस्कार के लिए चयन करना कठिन नहीं है बशर्ते उनका कार्य उच्च स्तर का हो। पर ऐसा होता नहीं है। इस स्थिति में अति सामान्य में से सामान्य को चुन लिया जाता है। यह दुर्भाग्यजनक स्थिति है।

कहने के लिए सरकार अपना पल्ला यह कहकर झाड़ सकती है कि पुरस्कारों के लिए चयन ज्यूरी करती है जिसके सदस्य विभिन्न क्षेत्रों के नामी गिरामी लोग रहते हैं। सरकार का काम केवल चयन समिति गठित करना है , शेष काम ज्यूरी मेम्बरों का है। उन्हें अधिकार है कि पर्याप्त आवेदन न मिलने की स्थिति में वे बाहर से चयन कर सकते हैं। या उस वर्ष के लिए उस पुरस्कार को रद्द भी कर सकते है। यह बात ठीक है लेकिन ज्यूरी की समस्या यह है कि विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में सिर्फ एक बैठक में आवेदनों पर विचार करना होता है। यदि अनावेदकों में चयन करने की आवश्यकता हो तो ऐसा कोई सिस्टम नहीं है कि जिससे संबंधितों के बारे में जानकारी हासिल की जा सके। आवेदकों पर भी निर्णय उनके द्वारा संलग्न दस्तावेजों के आधार पर लेना पडता है। यहां भी कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है कि भौतिक रूप से उनका सत्यापन किया जा सके हालांकि आवेदन कलेक्टर की संस्तुति से सरकार को प्रेषित होते हैं। लेकिन यहां भी केवल औपचारिकता पूरी की जाती है।

इन स्थितियों में जिसमें आवेदकों की संख्या अत्यल्प हो बेहतर का चयन मुश्किल है। आमतौर पर ज्यूरी उनमें से किसी एक को उसके कथित कार्यों के आधार पर चुन लेती है। ऐसे में उन लोगों को मौका मिल जाता है जो पुरस्कार को हस्तगत करने सकल प्रयत्न करते हैं , सिफारिशें करते हैं, करवाते हैं, लाबिंग करते हैं और इसमें वे सफल भी हो जाते हैं। पिछले वर्षों की सूचियां उठाकर देख लें, अनेक ऐसे लोग राज्य अलंकरण से अंलकृत हुए हैं जिनका समाज में कोई उल्लेखनीय योगदान नहीं रहा हैं फिर भी वे पुरस्कार पा गए। यह स्थिति वर्षों से बनी हुई है। इन पुरस्कारों की यदि गरिमा स्थापित करनी हो तो प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन करने होंगे। यद्यपि पुरस्कारों की संख्या काफी अधिक है लेकिन यदि योग्य का चयन हो तो संख्या कोई मायने नहीं रखती। सरकार विज्ञापनों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करती है। सरकारी वेबसाइट पर भी ये विज्ञापित होती हैं। किंतु इसके बावजूद अच्छी संख्या में लोग एप्लाई क्यों नहीं करते इस पर विचार करना होगा। जाहिर है खाली आवेदन पत्र आमंत्रित करने से काम नहीं चलेगा। प्रख्यात व स्वाभिमानी व्यक्ति से आप उम्मीद नहीं कर सकते कि पुरस्कार के लिए वह अपनी रिपोर्ट कार्ड भेजेगा। वह आवेदन नहीं करेगा। अतः समाज के ऐसे लोगों को पुरस्कृत करने स्वयं सरकार को आगे आना होगा। अखबारों में विज्ञापन के अलावा पुरस्कारों के लिए व्यक्ति विशेष के समर्थन में आम लोगों से भी आन लाइन प्रस्ताव आमंत्रित किए जाने चाहिए। इसके लिए एक अलग वेबसाइट बनानी होगी। पद्म पुरस्कारों के लिए केंद्र सरकार यह कर रही है। राज्य सरकारों की सिफारिशों के अलावा उसकी आन लाइन व्यवस्था भी चल रही है जहां कोई भी व्यक्ति अपनी पसंद का नाम प्रस्तावित कर सकता है। नागरिकों को पुरस्कार-प्रक्रिया से जोडने से फलक बडा और अधिक पारदर्शिता हो जाता है। अपने पुरस्कारों का मान सम्मान कायम रखने छत्तीसगढ़ सरकार भी चाहे तो आन लाइन व्यवस्था शुरू कर सकती है। इसके अतिरिक्त यह भी तय होना चाहिए कि जिस व्यक्ति या संस्था को एक बार किसी भी वर्ग में पुरस्कृत किया जा चुका हो तो उसे दुबारा पुरस्कार न दिया जाए। ऐसे उदाहरण है जब अलग अलग वर्षों में एक ही व्यक्ति या संस्था ने दो-दो , तीन-तीन पुरस्कार हासिल कर लिए।

प्रक्रिया में सुधार की दृष्टि से यह और भी बेहतर होगा यदि जिला कलेक्टरों पर यह जिम्मेदारी डाली जाए कि उन्हें अपने जिले में उन लोगों के बारे में जानकारियां हासिल करना है जो समाज सेवा या अन्य क्षेत्रों में बिना किसी प्रचार प्रसार या अपेक्षा के अच्छा कार्य कर रहे हैं। वैसे भी अब जिलों का दायरा काफी छोटा हो गया है अतः अनुकरणीय कार्य करने वाले व्यक्तियों की तलाश करना मुश्किल नहीं है। इस व्यवस्था से उन लोगों के नाम सामने आएंगे जो वास्तव में पुरस्कृत होने के काबिल हैं।

इस संदर्भ में यह आश्चर्यजनक है कि कोरोना महामारी के दौरान अपने प्राणों की बाजी लगाकर लोगों की जान बचाने में तथा उनके परिवारों को मदद पहुंचाने वाली संस्थाओं अथवा व्यक्तियों की राज्य अलंकरण के मामले में उपेक्षा की गई। समाज सेवा के क्षेत्र में उन्हें पुरस्कृत किया जाना चाहिए था। एक उदाहरण है भाटापारा के दिवंगत डाक्टर युवा शैलेंद्र साहू का जिन्होंने अपनी जान की परवाह न करके कोरोना पीडितों की सहायता की, उनकी सेवा सुश्रूषा की। न दिन देखा न रात। जन सेवा का अपना दायित्व निभाते हुए सेवाभावी डाक्टर खुद कोरोना का शिकार हुआ और अंततः चल बसा। पीडितों की सेवा में प्राण का बलिदान करने वाले शैलेंद्र की मृत्यु से पूरे जिले में शोक का जो माहौल बना वह कभी न भूलने वाला है। इस वर्ष ज्यूरी ने एक राय होकर समाज सेवा के लिए रविशंकर शुक्ल पुरस्कार मरणोपरांत डाक्टर शैलेंद्र साहू को देने का निर्णय लिया था लेकिन उसे बदलकर अन्य को दे दिया गया। यह क्यों हुआ, कैसे हुआ ? अनुमान लगाना कठिन नहीं है।

(30अक्टूबर 2022 को प्रदेश के प्रतिष्ठित पत्रकार लेखक श्री दिवाकर मुक्तिबोध जी ने फेसबुक वाल में लेख पोस्ट किया था। आज के संदर्भ में भी लेख प्रासंगिक है)

इंदिरा गांधी : 'गूंगी गुड़िया' से 'आयरन लेडी' तक – एक युग का अंत और इतिहास की अमिट छाप

सत्यम सिंह



स्वतंत्र भारत के राजनीतिक इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो सिर्फ व्यक्ति नहीं, पूरा अध्याय बन जाते हैं। इंदिरा प्रियदर्शिनी गांधी ऐसा ही नाम है। आज उनकी पुण्यतिथि पर देश उस नेता को याद कर रहा है जिसके एक फैसले से दुनिया का नक्शा बदला और जिसके दूसरे फैसले ने लोकतंत्र को सबसे कठिन परीक्षा में डाल दिया।

आनंद भवन से राजनीति के आंगन तक

19 नवंबर 1917 को इलाहाबाद के आनंद भवन में जवाहरलाल नेहरू और कमला नेहरू के घर जन्मी इंदिरा का बचपन आजादी के आंदोलन की परछाई में बीता। पिता लगातार जेल में, मां बीमार। अकेलेपन में ही उन्होंने फौलाद बनना सीखा। पिता के जेल से लिखे पत्रों ने उनकी वैचारिक नींव रखी।

बचपन में ही उनमें राष्ट्रवाद था - विदेशी खिलौनों की होली जलाने से लेकर 1930 में 'वानर सेना' बनाकर स्वतंत्रता सेनानियों की मदद करने तक। ऑक्सफोर्ड के सोमरविले कॉलेज में पढ़ाई के दौरान फिरोज गांधी से मुलाकात और 1942 में विवाह, और उसी साल भारत छोड़ो आंदोलन में दोनों की गिरफ्तारी।

सिंडिकेट की 'गूंगी गुड़िया' और प्रधानमंत्री पद

1964 में नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री ने उन्हें सूचना एवं प्रसारण मंत्री बनाया। 11 जनवरी 1966 को ताशकंद में शास्त्री जी के आकस्मिक निधन के बाद कांग्रेस के भीतर सत्ता संघर्ष शुरू हुआ।

कांग्रेस के कद्दावर सिंडिकेट नेताओं - के. कामराज, निजलिंगप्पा, अतुल्य घोष - ने मोरारजी देसाई को रोकने के लिए अनुभवहीन इंदिरा को आगे किया। उन्हें लगा कि वह उनकी कठपुतली बनेंगी। इसी दौरान राम मनोहर लोहिया ने उन्हें संसद में 'गूंगी गुड़िया' कहा। 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। लेकिन सिंडिकेट का आकलन गलत निकला।

तीन मास्टरस्ट्रोक जिसने छवि बदली

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण (1969): वित्त मंत्री मोरारजी देसाई को बिना बताए रातों-रात 14 बड़े निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इससे बैंक गरीब, किसान और छोटे व्यापारियों तक पहुंचे। वह 'गरीबों की मसीहा' बन गईं।

2. प्रीवी पर्स समाप्ति (1971): 26वें संविधान संशोधन से राजा-महाराजाओं को मिलने वाला कर-मुक्त भत्ता खत्म कर दिया।

3. 1971 का युद्ध और बांग्लादेश का निर्माण यह उनके करियर का शिखर था। पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार से करोड़ों शरणार्थी भारत आए। अमेरिका और चीन पाकिस्तान के साथ थे। इंदिरा ने अगस्त 1971 में सोवियत संघ से 20-वर्षीय मैत्री संधि की और दिसंबर में 13 दिन के युद्ध में पाकिस्तान को हराकर 93,000 सैनिकों का आत्मसमर्पण कराया। दुनिया के नक्शे पर बांग्लादेश उभरा। अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें 'दुर्गा' कहा। 1974 में पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण 'स्माइलिंग बुद्धा' ने भारत को परमाणु शक्ति बनाया।

1975 का आपातकाल - लोकतंत्र का काला अध्याय

1971 की जीत के बाद महंगाई, तेल संकट और बेरोजगारी ने माहौल बिगाड़ा। गुजरात में नवनिर्माण आंदोलन और बिहार में जेपी के संपूर्ण क्रांति आंदोलन ने सरकार को घेर लिया।



12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा ने राज नारायण की याचिका पर इंदिरा के रायबरेली चुनाव को सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के कारण रद्द कर 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी। 25 जून को रामलीला मैदान में जेपी ने सेना-पुलिस से सरकार के आदेश न मानने की अपील की।

25-26 जून 1975 की रात राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति के नाम पर आपातकाल लगवा दिया गया।

21 महीने तक मौलिक अधिकार निलंबित रहे, 1 लाख से ज्यादा नेता - मोरारजी, वाजपेयी, आडवाणी, जेपी, जॉर्ज फर्नांडिस - टक्कर में जेल गए। प्रेस पर सेंसरशिप लगी, अखबारों ने विरोध में संपादकीय पन्ने खाली छोड़े। संजय गांधी के 5-सूत्रीय कार्यक्रम में जबरन नसबंदी और तुर्कमान गेट जैसे विध्वंस हुए।

बेलछी से वापसी

1977 के चुनाव में कांग्रेस का सफाया हो गया, इंदिरा खुद रायबरेली से राज नारायण से हार गईं। लेकिन जनता पार्टी की आपसी फूट ने मौका दिया। अगस्त 1977 में बिहार के बेलछी में 11 दलितों के नरसंहार के बाद इंदिरा कीचड़, उफनती नदी पार कर हाथी पर बैठकर गांव पहुंचीं। उस एक तस्वीर ने दलित-पिछड़ों में उन्हें फिर से स्थापित कर दिया। 1980 में 'जात पर न पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर' नारे के साथ वह भारी बहुमत से लौटीं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार और अंतिम दिन

पंजाब में जरनैल सिंह भिंडरावाले ने स्वर्ण मंदिर के अकाल तख्त पर कब्जा कर खालिस्तान आंदोलन तेज कर दिया। जून 1984 में मेजर जनरल कुलदीप सिंह बरार के नेतृत्व में 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' चलाया गया। भिंडरावाले मारा गया, लेकिन अकाल तख्त को नुकसान से सिख समुदाय आहत हुआ। खुफिया एजेंसियों ने सिख बॉडीगार्ड हटाने की सलाह दी, इंदिरा ने भी इसे आधार पर भेदभाव से इनकार कर दिया।

30 अक्टूबर 1984 को भुवनेश्वर में उन्होंने कहा था - 'मैं आज हूं, कल नहीं रहूंगी... मेरा खून का एक-एक कतरा देश की एकता को मजबूत करेगा। 31 अक्टूबर 1984, सुबह 9:10 बजे, 1 सफदरजंग रोड से 3 अकबर रोड जाते हुए संतरी बूथ पर तैनात उनके भरोसेमंद बॉडीगार्ड बेअंत सिंह ने .38 रिवॉल्वर से 3 गोलियां चलाईं, फिर सतवंत सिंह ने कार्बाइन से पूरी मैगजीन खाली कर दी। कुल 33 गोलियों में 30 उनके शरीर में लगीं। अक्टूबर में 4 घंटे की कोशिश के बाद दोपहर 2:20 बजे उन्हें मृत घोषित किया गया।

विरासत

इंदिरा गांधी का मूल्यांकन ब्लैक एंड व्हाइट में नहीं हो सकता। वह कूटनीतिज्ञ थीं जिसने बांग्लादेश बनाया, समाजवादी नेता थीं जिसने बैंक गरीबों तक पहुंचाए, और अधिनायकवादी शासक भी थीं जिसने आपातकाल थोपा। भारतीय राजनीति में उनकी इच्छाशक्ति और फैसले लेने की क्षमता आज भी बेंचमार्क है।

आधुनिक तकनीक से जीवंत हुई जनजातीय अमर बलिदानियों की शौर्यगाथाएं

लेखक- डॉ.ओम् इहरिया
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ की पावन धरा सदियों से त्याग, तपस्या, संघर्ष और स्वाभिमान की साक्षी रही है। यहांह्क के घने जंगलों, पर्वतों और वनांचलों में स्वतंत्रता की ऐसी अनगिनत गाथाएं जन्मीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके इन जनजातीय नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को अब एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जनजातीय कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित ह्यशहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालयह्न देश में जनजातीय शौर्य, स्वाभिमान और आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनूठे संगम के रूप में उभरा है। यह भव्य संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह अवसर केवल एक संग्रहालय के लोकार्पण का नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प की सार्थक अभिव्यक्ति का था। लगभग 50 से 55 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक संग्रहालय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली देश की विशिष्ट परियोजनाओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह संग्रहालय उसी सोच का साकार स्वरूप है, जिसमें विकास के साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और पुरखों के बलिदान को सहेजने का संकल्प निहित है। विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक धरोहर का निर्माण प्रदेश के जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को नई ऊंचाई प्रदान करता है।

भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया, वह आज भी छत्तीसगढ़ की सामूहिक चेतना में जीवित है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल विद्रोह नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। इस संग्रहालय में वीर नारायण सिंह सहित उन असंख्य जनजातीय योद्धाओं की गाथाओं को जीवंत किया गया है, जिनका संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत आधारशिला बना।



जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थापित इस संग्रहालय की भव्य दीर्घाएं इतिहास के उन अध्यायों से परिचित कराती हैं, जिन्हें जानना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। यहां लगभग 650 से अधिक जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से जनजातीय संघर्षों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह और सोनाखान विद्रोह जैसी ऐतिहासिक घटनाएं दशकों को जनजातीय वीरता के उस दौर में ले जाती हैं, जब सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे पुरखों ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी थी। इंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह के लिए निर्मित विशेष दीर्घाएं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ के योगदान को और व्यापक रूप में प्रस्तुत करती हैं।

इस संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता इतिहास और आधुनिक तकनीक का अद्भुत समन्वय है। अत्याधुनिक वीएफएक्स तकनीक, डिजिटल प्रोजेक्शन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों और जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि दर्शक स्वयं को उस कालखंड का साक्षी महसूस करते हैं। यहां इतिहास केवल पढ़ा या देखा नहीं जाता, बल्कि उसकी अनुभूति होती है। युद्धभूमि का वातावरण, वीर सेनानियों का संघर्ष, जनजातीय समाज की जीवनशैली और स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत हो उठते हैं।

डिजिटल सूचना प्रणाली इस संग्रहालय को विशेष पहचान प्रदान करती है। प्रत्येक दीर्घा में स्थापित डिजिटल बोर्ड, क्यूआर कोड और अन्य आधुनिक माध्यमों से आगंतुक संबंधित ऐतिहासिक घटनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करते ही इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध हो जाती हैं। प्रशिक्षित गाइड भी दर्शकों को जनजातीय विद्रोहों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से परिचित कराते हैं। इस प्रकार यह संग्रहालय इतिहास, शोध, शिक्षा और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।

आगंतुकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। संग्रहालय परिसर में स्वच्छ पेयजल, व्यवस्थित पार्किंग, सीसीटीवी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा शिशुवती माताओं के लिए शिशु देखभाल कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से बच्चों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए संग्रहालय का भ्रमण सुविधाजनक और ज्ञानवर्धक बनता है।

लोकार्पण के बाद से ही इस ऐतिहासिक संग्रहालय के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में एक से दो हजार तथा अवकाश के दिनों में चार से पांच हजार तक दर्शक यहां पहुंच रहे हैं। शुभारंभ से अब तक तीन लाख से अधिक आगंतुकों का संग्रहालय का अवलोकन करना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मुक्केबाज मैरीकॉम सहित विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, सैन्य जवानों और विदेशी पर्यटकों ने भी यहां प्रदर्शित जनजातीय शौर्यगाथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की है।

आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज का नहीं मिल रहा लाभ





नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

हाथ में सरकार का दिया पाँच लाख वाला आयुष्मान कार्ड है, पर अस्पताल के काउंटर पर वही कार्ड रद्दी है। पिछले क़रीब 1 माह से अस्पताल में गरीब का आँसू आँख से नहीं, सीधे दिल में उतर रहा है। उस पर गज़ब यह कि सरकारी पोर्टल कह रहा है ..'रिकॉर्ड नॉट फाउंड'। इलाज होना है, पैसा नहीं है..और सोया हुआ है,सिस्टम। ऐसे में शायर बशीर बद्र की ये पंक्तियां अब के आँसू.. कैसा बहने का !सरकार के मुफ़्त ईलाज के दावों की हक़ीक़त बयां करने के साथ ही सिस्टम की बेरुख़ी व लचर इंतज़ाम की पोल खोल देती हैं।

ग़ौरतलब है कि जिले में 19 निजी अस्पताल समेत सभी सरकारी संस्थान आयुष्मान योजना में सूचीबद्ध हैं। लेकिन कागज पर कैशलेस इलाज हो रहा है। जमीन पर सत्यापन फेल है, क्लेम भी अटक गए हैं।बस्तर व राजधानी रोड के अस्पतालों में मरीज़ के परिजन ईलाज के लिए सप्ताह भर तक बिल मंजूरी व भुगतान का इंतजार करते रहे। आखिर में जवाब मिला ..नगद लाओ, वरना मरीज़ को ले जाओ।नए सिस्टम में एपीआई से अलग मेंबर आईडी जनरेट हो रही है। आधार-राशन नंबर डालो तो पुराने हितग्राही का नाम ही शो नहीं होता।वेरिफिकेशन नहीं तो क्लेम भी नहीं हो रही और क्लेम नहीं तो इंश्योरेंस कंपनी की हरी झंडी नहीं मिलती। पढ़िए सुनील शर्मा की रिपोर्ट।

नहीं बन रहा कार्ड

जिले में कुल 8 लाख 51 हजार 555 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। इसमें से 8 लाख 8 हजार 908 लोगों का आयुष्मान कार्ड बन गया है। यह कुल लक्ष्य का 94.99 फीसदी है। अभी भी 42647 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है, लेकिन पोर्टल में तकनीकी दिक्कतबताई जाती है ।जिसके चलते आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य पर भी विराम लग गया है। आयुष्मान कार्ड नहीं बनने से लोगों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। जरुरतमंद मरीजों को नगद में इलाज करना पड़ रहा।

पोर्टल में शो .. 'रिकॉर्ड नॉट फाउंड'-

लोकमाया ने पड़ताल की तो नए डेटा में एपीआई के माध्यम से अलग मेंबर आईडी जनरेट होने के कारण पुराने आयुष्मान कार्डधारियों की पहचान में समस्या आ रही है। आधार कार्ड या राशन कार्ड नंबर से आयुष्मान आईडी खोजने पर पोर्टल पर 'रिकॉर्ड नॉट फाउंड' दिखाई दे रहा है। इससे मरीजों का सत्यापन और इलाज की मंजूरी प्रभावित हो रही है। करीब 20 दिनों से जारी समस्या ने योजना के क्रियान्वयन और तकनीकी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग और संबंधित एजेंसियों के सामने पोर्टल बहाल करने के साथ पुराने हितग्राहियों का डेटा उपलब्ध कराने की चुनौती है। तकनीकी खामी का खामियाजा पात्र मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।डॉ एके टोंडर, सीएमएचओ धमतरी के मुताबिक, आयुष्मान पोर्टल में सर्वर डाउन का इशु आ रहा है। इसके लिए उच्च कार्यालय से मार्गदर्शन मांगा जाएगा, जिससे लोगों को योजना का समुचित लाभ मिल सके।

इलाज ये है कि, मजबूर कर दिया जाऊँ., वगरना यूँ तो ,किसी की नहीं सुनी मैंने

जौन एलिया की ये पंक्ति ..मुफ्त इलाज के दावे की हकीकत बयां करती है। सरकार पोस्टर पर लिखती है ,5 लाख तक मुफ्त इलाज। शहर की नाली में पर्ची पड़ी है जिस पर लिखा है ..नगद जमा करो। एक तरफ दिल्ली से लेकर रायपुर तक आयुष्मान को विश्व की सबसे बड़ी योजना बता रहे, दूसरी तरफ योजना वेंटिलेटर पर है।कार्ड बांटो, फोटो खिंचवाओ,आंकड़ा 94.99 फीसद दिखाओ। फिर पोर्टल बदलो, डेटा उड़ाओ और कहो .. तकनीकी खामी है। गरीब मरे तो आंकड़े में नहीं, लुटे तो योजना में नहीं। वाहवाही सरकार की,आँसू गरीब का ।लिहाज़ा आँसू दिल में ही उतर रहे ।सवाल है ,कार्ड नहीं बन रहे। बने भी हैं,तो सत्यापन नहीं, तो कितने मरीजों ने कर्ज लिया ? कितनों ने इलाज टाला ? इसका ऑडिट कौन करेगा ? 'रिकॉर्ड नॉट फाउंड' का ठीकरा सिर्फ सर्वर पर फूटेगा या अफसरों पर भी। जो बिना डेटा माइग्रेशन टेस्ट किए नई आईडी लाइव कर गए ।ये कहानी धमतरी की नहीं, पूरे छग की है।

सिद्धार्थ ने जीता आल इंडिया शूटिंग चैंपियनशिप

जांजगीर-चाम्पा। जांजगीर में जन्मे और यहीं अपनी प्रारंभिक शिक्षा



अर्जित किए सिद्धार्थ पाण्डेय ने 22 से 27 अक्टूबर को आयोजित हुए आल इंडिया आई पी एस सी शूटिंग चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक पर निशाना लगाया। वर्तमान में वो रायपुर के राजकुमार कालेज में पढ़ रहे हैं, जहां देश के विभिन्न राज्यों जैसे राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, पंजाब, मध्यप्रदेश, हिमांचल प्रदेश के 25 नामी गिरामी स्कूलों से प्रतिभागी आए थे। अंडर 14 ब्वॉयज वर्ग की प्रतियोगिता में उनका चयन टीम वर्ग में हुआ था, जिसमें उनके साथी आदित्य प्रताप सिंह और अवीर जय सिंह थे। सिद्धार्थ ने चार चरणों की रेंज शूटिंग के दौरान क्रमशः 85, 89, 92 और 90 अंक अर्जित करते हुए टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया था। सिद्धार्थ बचपन से ही काफी प्रतिभाशाली विद्यार्थी रहें है, उनकी प्राथमिक स्तर की शिक्षा जांजगीर के प्रतिष्ठित लोटस पब्लिक स्कूल और दिल्ली पब्लिक स्कूल चांपा में हुई थी। उनके पिता मनींद्र कुमार पाण्डेय और मां श्रीमती रोशनी पाण्डेय के साथ ही दादी-दादा ने इस जीत पर प्रसन्नता जाहिर की। सिद्धार्थ ने अपनी सफलता का संपूर्ण श्रेय अपनी कोच सीता मैम को समर्पित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में देश के लिए स्वर्ण पदक लाने की इच्छा जाहिर की।

माँ चंडी विद्या गौरव सम्मान से सम्मानित स्नेहा चंद्रा



जांजगीर-चाम्पा। शिक्षा गौरव सम्मान शासकीय डीडीएस स्कूल बिर्रा के कक्षा आठवीं की छात्रा, ब्लाक और जिला स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाली स्नेहा चंद्रा बिटिया रानी को अखंड नवधा रामायण मंच डभराखुर्द (बिर्रा) से व्यासपीठ आचार्य पं जितेन्द्र तिवारी बिर्रा ने मां चंडी विद्या गौरव सम्मान से सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रघुनाथ दास वैष्णव, खगेश्वर वैष्णव, नरोत्तम वैष्णव, अंकूर वैष्णव, मनहरण पटेल, रमेश कुमार, सुदामा प्रसाद चंद्रा, लखनलाल चंद्रा, मोतीलाल पटेल, रूपनारायण चंद्रा, जीतराम चंद्रा, सुरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा में चयन

धमतरी। सीस्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिंदी माध्यम विद्यालय और विजन इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल आमदी के 11 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। इनमें 5 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर लॉन टेनिस के लिए हुआ है। 6 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। राज्य स्तर पर 3 बालिकाएं बास्केटबॉल में खेलेंगी। 3 बालक सॉफ्ट टेनिस में शामिल होंगे।

रक्तदाताओं का हुआ सम्मान

धमतरी। विहंगम योग संत समाज के तत्वावधान में स्वर्वेद कथा के प्रवर्तक विज्ञान देव महाराज के जन्मोत्सव पर विश्वव्यापी रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में धमतरी जिला मुख्यालय के मानस सेवा ब्लड एवं कंपोनेंट सेंटर में विहंगम योग संत समाज जिला धमतरी ने रक्तदान शिविर लगाया। इसमें करीब 100 लोगों ने रक्तदान किया ।शिविर में पूर्व विधायक लेखराम साहू मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय बालक-बालिका कुश्ती

धमतरी। खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए 15 नवंबर को गोकुलपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय बालक-बालिका कुश्ती प्रतियोगिता होगी। आयोजन जय बजरंग अखाड़ा के तत्वावधान में होगा। दंगल बस्ती के सत्संग भवन मैदान में सजेगा। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से नामी पहलवान पहुंचेंगे। दांव-पेच दिखाएंगे। कुश्ती कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव पुरस्कार के लिए

महासमुंद। शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति आदिवासी लोक कला महोत्सव पुरस्कार वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के आदिवासी लोक कला नर्तक दलों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि इच्छुक नर्तक दल निर्धारित प्रारूप एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपनी प्रविष्टियां 25 नवंबर 2026 को शाम 5 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, महासमुंद में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित आदिवासी लोक कला नर्तक दलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रुपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपए तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। प्रविष्टि के साथ आदिवासी लोक कला नर्तक दल का संपूर्ण परिचय देना अनिवार्य होगा। इसके अलावा आदिवासी समाज में सामाजिक चेतना जागृत करने तथा सामाजिक उत्थान के लिए दल द्वारा किए गए कार्यों एवं प्रयासों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करना होगा। दल को पूर्व में प्राप्त पुरस्कारों का विवरण, उत्कृष्ट कार्यों के संबंध में प्रकाशित प्रतिवेदनों की जानकारी तथा उनकी एक-एक प्रति भी संलग्न करना होगा। सामाजिक चेतना एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में किए गए कार्यों के संबंध में प्रतिष्ठित व्यक्तियों अथवा पत्र-पत्रिकाओं द्वारा की गई टिप्पणियों की सत्यापित प्रतियां भी प्रस्तुत करना होगा। प्रविष्टियों में दिए गए तथ्यों, निष्कर्षों एवं प्रमाणों की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित प्रविष्टि प्रस्तुतकर्ता का होगा। प्रस्तुत जानकारी का सत्यापन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, महासमुंद द्वारा किया जाएगा।

प्रत्येक जिले से सर्वश्रेष्ठ आदिवासी लोक कला नर्तक दल का चयन किया जाएगा। किसी जिले से एक से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त होने पर कलेक्टर के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास तथा लोककला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले विशेषज्ञ सदस्यों की गठित समिति द्वारा प्रविष्टियों का परीक्षण किया जाएगा। समिति जिले से एक सर्वश्रेष्ठ दल का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उसकी प्रविष्टि भेजी जाएगी। राज्य स्तर पर चयनित लोक नर्तक दलों के बीच नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। गठित निर्णायक मंडल द्वारा दलों के प्रदर्शन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के लिए विजेताओं का चयन किया जाएगा।

छ.ग. अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री वेदराम मनहरे ने किया छात्रावासों का औचक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद



छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री वेदराम मनहरे ने जिला मुख्यालय स्थित अनुसूचित जाति के प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के रहन-सहन, खानपान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और परिसर की साफ-सफाई की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष श्री मनहरे ने बच्चों के साथ बैठकर उनकी पढ़ाई-लिखाई और भविष्य के लक्ष्यों को लेकर आत्मीय चर्चा की। बच्चों ने भी बिना किसी झिझक के उनसे खुलकर बातें कीं। छात्रावासों में हंसी-खुशी और पारिवारिक माहौल देखकर उपाध्यक्ष ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलना ही चाहिए।

उपाध्यक्ष श्री मनहरे ने अधीक्षक ऋतु चंद्राकर, चित्ररेखा तारक और खंड प्रभारी नीलेश खांडे से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करना हम सभी की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसमें कहीं भी कोई चूक नहीं होनी चाहिए। छात्रावास एक परिवार की तरह है और ये हमारे अपने बच्चे हैं। इसलिए छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा ही पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति समाज के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण और विद्यार्थियों के हितों एवं सुरक्षा का संरक्षण आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

खेतों में चादर की तरह बिछ गई है धान की फसल

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ सहित बलौदाबाजार जिले में 28 और 29 अक्टूबर को दो दिनों तक दिन और रात अर्नब चक्रवात के प्रभाव से रुक रुककर हो रही बारिश किसानों के लिए आफत बनकर आई है। खेतों में पकी हुई और अधपकी धान की फसल पर बारिश और तेज हवाओं की दोहरी मार पड़ रही है। हवा के झोंकों के साथ हुई बारिश से खेतों में खड़ी पकी अधपकी फसल जमीन पर चादर की तरह बिछ गई है। वहीं खेतों में पानी भरने से किसानों की चिंता और बढ़ गई है। महीनों की मेहनत के बाद तैयार हो रही फसल को देखकर किसानों को अब उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित होने का डर सताने लगा है।



अंचल के मुंडा जुड़ा पैंजनी बरदा कोलिहा कोहरौद धाराशिव मल्लीन कोनारी कोलिहा तिल्दा चिरपोटा जामडीह सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में किसान मौसम की बेरुखी से परेशान है। किसानों का कहना है कि धान की फसल तैयार होने के समय हुई बारिश ने मुश्किले बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी फसल तेज हवा के कारण गिर गई है। खेतों में गिरी धान की फसल को संभालना किसानों के लिए अब चुनौती बन गया है। यदि फसल लंबे समय तक गीली रहती है तो उसकी गुणवत्ता पर भी असर पड़ने की आशंका किसानों को सता रही है। किसानों ने बताई परेशानी, बोले धान के लिए आफत बनकर आई है बारिश=मुंडा गांव के किसान मेलाराम रजक,पीतांबर रजक,सुमेर वर्मा,हरिशंकर वर्मा,भोला वर्मा,कृतराम वर्मा ने बताया कि बारिश धान की फसल के लिए आफत बनकर आई है।

हथबंद शराब दुकान में ओवर रेट और कोचिया प्रथा का आरोप

बलौदाबाजार। विकासखंड सिमगा के ग्राम हथबंद स्थित शासकीय कंपोजिट मदिरा दुकान एक बार फिर विवादों में है। यहां निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर शराब बेचने, विरोध करने पर ग्रामीणों से गाली-गलौज और मारपीट करने तथा कोचियों को बोरियो में भरकर अधिक मात्रा में शराब देकर गांव-गांव में अवैध बिक्री कराने के गंभीर आरोप लगे हैं।इस मामले को लेकर शिवसेना ने 14 अक्टूबर को जिला आबकारी अधिकारी को लिखित ज्ञापन सौंपा है। प्रदेश सचिव ईश्वर प्रसाद निषाद ने बताया कि हथबंद मदिरा दुकान की तत्काल जांच कर दोषी संचालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जायउन्होंने कहा कि हथबंद शराब दुकान में खुलेआम ओवर रेट लिया जा रहा है। ग्रामीण जब इसका विरोध करते हैं तो दुकान के कर्मचारियों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। आरोप है कि दुकान से कोचियों को थोक में शराब दी जा रही है, जिसके चलते आसपास के गांव ,रिंगनी, केसदा, धोधा ,डोंगरिया, कुकरचुंदा खिलोरा,मोहभट्ठा, लावर में अवैध शराब की बिक्री किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से मिली आर्थिक सहयोग से खरीदी सिलाई मशीन

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद



शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ ही उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बन रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने ग्राम परसकोल निवासी श्रीमती खुशबू रात्रे के जीवन को नई दिशा दी है। विवाह के समय मिले आर्थिक सहयोग का सदुपयोग करते हुए खुशबू ने सिलाई मशीन खरीदी और स्वरोजगार की शुरुआत कर आत्मनिर्भरता की राह पर कदम बढ़ाया।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए बेटी का विवाह करना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। खुशबू रात्रे के परिवार को भी विवाह की तैयारियों के दौरान आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे समय में महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से परिवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जानकारी मिली। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योजना की पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके फलस्वरूप खुशबू का विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत हितग्राही खुशबू रात्रे के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 35 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। खुशबू ने इस राशि का सदुपयोग करते हुए सिलाई मशीन खरीदी और अपने सिलाई व्यवसाय की शुरुआत की। इससे उन्हें अपनी आजीविका चलाने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का अवसर मिला। आज खुशबू सिलाई कार्य के माध्यम से आय अर्जित कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। हितग्राही परिवार ने योजना से मिले सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया।

ग्राम सभा का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा। एग्रीस्टेक परियोजना अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकृत सभी कृषकों का विवरण आगामी 01 नवम्बर 2026 से आयोजित विशेष ग्राम सभा में पढ़कर सुनाया जाएगा तथा पंजीकृत कृषकों की सूची ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर अवलोकनार्थ चस्पा की जाएगी। साथ ही विशेष ग्राम सभा में 01 से 05 नवम्बर 2026 तक कृषकों के पंजीकृत खसरों में डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से दर्ज फसल विवरण का भी वाचन किया जाएगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय

मे मामला क्रमांकः 202610101000081
मामले की श्रेणीः- राजस्व
विषयः- अ-6 अ सनः-2026-2027
कोहका प.ह.न. 00045 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार तीरथ राज शुक्ला, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - तीरथ राज शुक्ला पिता/पति/विभाग-श्री वाय.एम. शुक्ला पता-मैत्री नगर रिसाली भिलाई द्वारा ग्राम - कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 644/10 का टू. रकबा 0.011 है.1190 वगर्फीट भूमि बटवारा अनुसार प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि वतर्मान राजस्व अभिलेख में रकबा 0.011 हे. के स्थान पर 0.0011 हे. प्रदर्शित हो रहा है। जिसे सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 05/11/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/10/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त वहसीलदार दुर्ग-01, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र./ 202610104700020 /अ-74/2026-27

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विरेंद्र सिंह पिता/पति माहेश्वरी सिंह निवासी ग्राम वार्ड 26 कैलाश नगर कुरूद तहसील दुर्ग जिला के द्वारा मौजा ग्राम ढौर तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 2159/5 रकबा 0.0200हे. है. भूमि जो कि आवेदक / शामिलात सहखातेदार के नाम पर वतर्मान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र चालान की मूल प्रति, बैंकों द्वारा प्रस्तुत अनापत्ति प्रमाण-पत्र, थाना की रिपोर्ट व राजस्व अभिलेख सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो वह नियत सुनवाई दिनांक 30/10/26 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अधिवक्तागण के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/10/26 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग-01

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा०प्र०क्र० अ-6 वर्ष 2025-26 रा. प्र.क्र. 202610101000097

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रिंस कुमार डहरिया पिता पूनाराम डहरिया निवासी कुरूद भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प०ह०नं0 46 स्थित भूमि ख0नं0 1561/44 रकबा 0.050हे० भूमि आवेदक के माता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 02.11.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08.10.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

जोक्स

चुड़ैल

बहू: तीन जा रही थी, सास ने पुचकारते हुए पूछा: क्यों बेटी! तू क्यों रही है?
बहू: क्या मैं चुड़ैल जैसी दिखती हूं?
सास: नहीं, बिल्कुल नहीं।
बहू: क्या मेरी आंखें मेंढकी की तरह हैं?
सास: नहीं तो।
बहू: क्या मेरी नाक पकौड़े जैसी है?
सास: नहीं।
बहू: क्या मैं भैंस जैसी मोटी और काली हूं?
सास: नहीं बेटी, बिल्कुल नहीं।
बहू: फिर सारे मोहल्ले के लोग क्यों कहते फिरते हैं कि तुम्हें अपनी सास जैसी दिखती है।

बड़े हो गए

आदी: अरे बेटा, तुम तो बड़े हो गए।
लड़का: हां अंटी और कोई ऑप्शन है नहीं ना मेरे पास।

भूत

डाक्टर जी: सर जी क्या ले में तुझे करता रहूंगा प्यार। इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
पप्पू: सर इसका मतलब है कि कवि अपनी प्रेमिका को भूत समझकर डराना चाहता है।

प्रेस

पति: मेरी शर्ट प्रेस करके देना।
पत्नी: ठीक है।
पति: कुछ देर बाद: मेरी शर्ट प्रेस हो गई?
पत्नी: नहीं।
पति: क्यों?
पत्नी: मुझे प्रेस करनी नहीं आता है।

होमवर्क

डाक्टर: सर जी।
मास्टर: हां बोलो।
डाक्टर: मैंने जो काम नहीं किया क्या आप उसकी सजा मुझे देंगे?
मास्टर: नहीं, बिल्कुल नहीं। बोलो क्या बात है?
डाक्टर: सर आज होमवर्क नहीं किया।



आध्यात्मिक रूप से स्वयं को रखें स्वस्थ

पूरी तरह नैचरल लाइफ़जीने के लिए आयुर्वेदिक टिप्स के रूप में आपके हाथों में एक सफल फिटनेस गोल का सुनिश्चित नुस्खा हो सकता है, यदि आप खुद को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने का मन बना लें। आयुर्वेद प्राचीन स्वास्थ्य जीवन प्रणाली है, यह आपको शारीरिक, मानसिक या आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और बलवान बनाने का कार्य करता है।

क्या आप दिनभर के काम के बाद सुस्त महसूस करते हैं? क्या आपको सुबह उठने और जिम को कलाम या योग सत्र को पूरा करने के लिए उत्साह की कमी अनुभव होती है? यदि इन समस्याओं से बचने के लिए आप केमिकल युक्त खाद्य या कॉफ़ी का उपयोग करते हैं तो इसे तुरंत बंद कर दें और आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों जैसे- अश्वगंध, ब्राह्मी और तुलसी के काढ़े का उपयोग करें। इनको चाय या काढ़ा बनाकर आप अपनी थकान को दूर कर सकते हैं। इन जड़ी बूटियों का उपयोग करने से मानसिक तनाव में कमी होती है और शरीर में लचीलापन तानी फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ती है। आपकी कार्य की गति उच्च बना रहता है।



स्टैमिना का निर्माण

मानसिक तनाव और शारीरिक गतिविधि दोनों ही आपस में बहुत अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। मानसिक तनाव से पृष्ठि होती है तो शारीरिक गतिविधि में कमी आ जाती है और शारीरिक गतिविधि में कमी होती है तो मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। इससे आपका स्टैमिना यानी काम करने की क्षमता कम होती है। तनावग्रस्त जैसी जड़ी बूटी का उपयोग आपको इस समस्या से निजात दिलाने में पूरी तरह कारगर है। अश्वगंधा और ब्राह्मी को तरह ही तुलसी भी आपके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाती है। इससे आप लंबे समय तक खुद को ऊर्जावान अनुभव करते हैं और थकान का असर आपके शरीर और दिमाग पर देखने को नहीं मिलता है। इससे मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, जकड़न को समस्या पार होती है। इसलिए आप शरीरको का उपयोग भी नियमित रूप से कर सकते हैं। यहां हम एक खास पूरी तरह सामकालका पाठने हैं कि यह सब है कि आयुर्वेदिक दवाओं का कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। लेकिन यदि इन औषधियों को जानकारी के अभाव में गलत तरीके से लिया जाए तो अन्य बीमारियां आपको घेर सकती हैं। इसलिए आप आयुर्वेदिक चिकित्सक और वैद्य से परामर्श के बाद ही इन जड़ी बूटियों का उपयोग करें।

मेटाबॉलिज्म

यदि आपको लगता है कि आपके शरीर का मेटाबॉलिक रेट पानी उपाचयन की प्रक्रिया धीमी है तो आपको अपने दैनिक आहार में कुछ खास चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए। उपाचयन उस प्रक्रिया को कहते हैं, जो भोजन के द्वारा प्राप्त ऊर्जा के आपके शरीर को एनर्जी देने का काम करती है। वैसे आप सही प्रकार से अपना जीवन जी सकें। इसके लिए आप अपने दैनिक आहार में घरेलू मसाले, जीरा, सौंफ, बड़ी इलायची, काली मिर्च इनको जरूर शामिल करें। सौंफ खाने से इन मसालों का नियमित उपयोग शरीर को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है। आपने दैनिक आहार में घरेलू के बीज, दालचीनी, जीरा और लहसुन जैसे खाद्य के साथ मसाले मिलाएं, सभी सही और पर्याप्त अनुपात में मिश्रित होते हैं जो शरीर में एनर्जी वापस ला सकते हैं।

नियमित रूप से मालिश

शरीर को नियमित रूप से मालिश के लिए आपको किसी महंगे कॉस्मेटिक ऑइल की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप इसे लिए घर में रखे खाने के तेल का उपयोग करें। ऐसी तेल शरीर को मालिश के लिए एक अच्छा विकल्प है। सरसों का तेल टिटिकैल्टीयिल गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह सर्दियों में गर्म होता है। इस कारण यह त्वचा के पोरों से मुक्ति दिलाने का काम करता है। शरीर पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया और फंगस को पनपने से रोकता है। शरीर द्वारा सोख लिए जाने के बाद यह अंदर जाकर नसों को लचीला और हड्डियों को मजबूत बनाने का काम करता है।

ध्यान और व्यायाम

ध्यान मानसिक सेहत के लिए और व्यायाम शारीरिक सेहत के लिए बहुत जरूरी है। ये दोनों ही विचार आयुर्वेद को देन हैं और इनका नियमित रूप से अभ्यास करने पर शरीर हर प्रकार के रोग से मुक्त रह सकता है। इसलिए आपको अपने दैनिक जीवन में ध्यान और व्यायाम को शामिल करना चाहिए।

सुबह खाली पेट पिए पानी

इसमें कोई शक नहीं कि पानी हमारे लिए खाना खाने जितना ही जरूरी है। हमारे शरीर के कुल वजन का दो तिहाई हिस्सा पानी ही होता है। इसके द्वारा हमें कई सारे पोषक तत्व मिलते हैं। साथ ही शरीर में मौजूद हानिकारक तत्व भी इसके द्वारा आसानी से बाहर निकल जाते हैं। निर्जलित रूप से पानी पीकर हम शरीर का वजन बढ़ने से रोक सकते हैं साथ ही और कई बीमारियों से भी बच सकते हैं। लेकिन अगर आप त्वचा की चमक बढ़ाना चाहते हैं साथ ही लंबे समय से जो रहे कब्ज की समस्या से छुटकारा पाने का आसान तरीका ढूंढ रहे हैं तो सुबह-सुबह खाली पेट पानी पीना है इसके लिए बेहद फायदेमंद।



- सुबह उठते ही सबसे पहले खाली पेट पानी पीने से शरीर में मौजूद फिर्ले पदार्थ बहुत ही आसानी से बाहर निकल जाते हैं। खून साफ होने लगता है जिससे सुबसे पहला असर आपको अपने चेहरे पर देखने को मिलता है। एक अलग ही चमक और रौनक नजर आती है।
- कब्ज से परेशान हैं तो सुबह उठते ही खाली पेट कम से कम दो से तीन ग्लास पानी पीने की आदत डालें। कुछ हफ्तों तक इसे जरूर फॉलो करें जिसका फायदा आपको महसूस होने लगेगा। पेट साफ होने के बाद आप जो कुछ भी खाते हैं उसका पूरा पोषक शरीर को पहुंचता है। साथ ही कब्ज दूर होने से अन्य दूसरी गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकता है।
- अगर आप वजन जल्द घटाना चाह रहे हैं तो सुबह उठकर पानी पीने की आदत डालें। इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है जो वजन घटाने और बीमार कम करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से मासिक धर्म, पेशाब, गले और किडनी से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।
- सुबह उठकर पानी पीने से शरीर में नई कोशिकाओं बनती हैं। सांसपेशियों में किसी प्रकार का दर्द है तो दूर होता है साथ ही घे मजबूत होती हैं।

प्रेग्नेंसी में करें इन चीजों का सेवन

प्रेग्नेंसी के दौरान खाई जाने वाली चीजों का शिशु के विकास पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए गर्भवती स्त्रियों को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें खाने से परहेज नहीं करना चाहिए। इस दौरान कौन-से सुपर फूड जरूर खाने चाहिए, जानने के लिए पढ़िए यह लेख।



पालक, फोलिक एसिड से भरपूर : यह फोलिक एसिड का महत्वपूर्ण स्त्रोत है, जो गर्भवती स्त्रियों के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व माना जाता है। इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और कैल्शियम की भी भरपूर मात्रा होती है। इसलिए इसे डाइट में जरूर शामिल करें।

ड्रेसरी प्रोडक्ट्स, कैल्शियम का स्रोत : गर्भावस्था में कैल्शियम बेहद आवश्यक है। ड्रेसरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। हड्डियों और दांतों की सुरक्षा के अलावा ये शिशु के विकास में भी मददगार हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान रोज एक ग्लास दूध के अलावा अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे- चीज, पनीर, दही, छाछ आदि का भी सेवन किया जाना चाहिए।

दालें, प्रोटीन भरपूर : दालों में प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इनमें आयरन, जिंक, कैल्शियम, फोलेट जैसे तत्व भी होते हैं। इसलिए गर्भावस्था के दौरान इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

मौसमी फल : गर्भवती स्त्री को भोजन की थाली में मौसमी फल बेहद आवश्यक हैं। अलग-अलग रंगों के फल पोषक तत्वों, विटामिंस, एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इसलिए हरे, पीले, नारंगी, लाल, बैंगनी रंग के ये तत्व सांसपेशा निर्माण खाएं। विटामिन-सी से भरपूर नींबू, आंवले या सतरे का सेवन भी जरूर करें। ये प्रेग्नेंसी के दौरान स्किन से संक्रमित निकलने को दूर कर सकते हैं।

कैल्शियम से भुक्त टोफू : इसमें न सिर्फ कैल्शियम बल्कि कैल्शियम सल्फेट केल्शी, आयरन, विटामिन्स ए और बी पाया जाता है। फिर चीनी में भी इसे तरह पानी पिया। दोनों खुशी खुशी घर की ओर दौड़ चलीं।

बदलना है बोरिंग घर का डेकोर



घर को खूबसूरती हमेशा हर दिन बना सकती है। यह हमारा सबसे कंफर्ट जोन होता है। घर को अक्सर लोग मेकओवर करते रहते हैं। घर का लुक बदलने के लिए यह काफी जरूरी होता है। बहुत से लोग पैसों के चलते घर का मेकओवर करने से बचते हैं। लेकिन सस्ते में भी घर का मेकओवर कर सकते हैं।

पुराने फर्नीचर को बनाएं नए जैसा

घर में रखा फर्नीचर अगर पुराने हो जाते हैं तो वे घर का लुक बिगाड़ने का काम करते हैं। इसका कारण यह मालूम नहीं हुआ कि पुराने फर्नीचर को फेंक दें। आप इस के पीस को रिपेयरिंग कराएं, उसको सफाई कर सकते हैं। बाजार से कलर लाकर पुराने फर्नीचर पर लगा सकते हैं। इससे वह नए जैसा दिखेगा और घर भर-भर खूबसूरत बन जाएगा।

बदल दें घर के पर्दे

घर के पर्दे बदलकर भी बेक ओवर कर सकते हैं। पर्दे घर की खूबसूरती में चार-चांद लगाने का काम करते हैं। घर में छोटे बच्चे हैं तो डार्क कलर के पर्दे ही लगाएं। ये जल्दी गंदे नहीं होते हैं। गर्मी में क्रीस्टल प्रिंट वाले पर्दे चुस्त समझदारी होता है। ये घर को हिमरेट लुक देते हैं। इसलिए जब भी घर का मेकओवर करें तो पर्दों को जरूर बदलें।

घर को इस तरह सजाएं

आजकल अनिवाहन चीजें मंगवाने का जमाना है। अनिवाहन काफी कुछ सस्ता मिलता है। ऐसे में आप घर को सजाने के लिए ऐनीसि मंगवा सकते हैं। कम खास में ये ऐनीसि घर के लुक को बदलने का काम करेंगे। ऐनीसि जब भी खरीदें गोल्डन कलर में ही खरीदें। इसे आप अपने हॉल में रख सकते हैं। किसी खाली टीन को स्प्रेइस आप करने के लिए वॉल हैंगिंग एक अच्छा ऑप्शन है।

फैंसी ज्वार : क्लासिक लैस इंटीरियर डिजाइन क्लासिक पैटर्न और फर्नीचर को आधुनिक स्थानों के साथ मिक्स करती है। एक्सेंट लाइटिंग और क्रिस्टल या केंडल होल्डर जैसे मेटलवर्क से बनी लालटेन, बुनकर ढांचा या जालीदार, कॉफीटेबलों तक को खूबसूरत बनाती है।

कुछ डिफरेंट सजावट : लैस इंटीरियर डिजाइन में तांबे के बर्तन किए गए घोंसले, रिबन वाले कुशन को कांसे/पीतल के आभूषणों, क्रिस्टल, पीनी मिट्टी को मूर्तियों, पुराने सूती कपड़े को पैटर्न और बड़े नक्काशीदार फ्रेम में सजाया जाता है।

रंगों का चुनाव : रंगों की बात करें तो अलमीर पर आइवरी, हल्का नील, फॉर्टेसस, ते, हरा, पीच, लैवेंडर और अन्य पेस्टल रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रैसाच, ब्रिक, तांबाइस और विंटेज मेटैलिक का अत्यधिक उपयोग करने से बचें।

थोड़ा सोच लें शादी के लिए हां करने से पहले

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लड़का और लड़की दोनों के जीवन में शादी उन खूबसूरत पलों में से एक है जिसका वे जाने उन्हें कब से इंतजार रहता है। एक तरफ़ लड़की दुल्हा, अंगूठी, फ़ोटो, डांस रिहर्सल और डेट नाइटस डिनर के बारे में सोच-सोचकर ही खुश होती रहती है, तो वहीं शादी करने जा रहे लड़के को हर पल इस बात की चिंता रहती है कि क्या वह सारी डील से आने वाली जिम्मेदारियों को संभाल पाएगा भी या नहीं। तो बात अलग है कि शादी के शुरू आती दिनों में एक-दूसरे के लिए सब कुछ करना अच्छा लगता है। लेकिन जब प्यार का पर्दे धीरे-धीरे से उतरता तो वही सपनों से सजी सुहानी बिखरती हुई सी नजर आती है। एक रिश्ते या शादी को सुचारू रूप से चलाने पूरी तरह दो लोगों को अंडरस्टैंडिंग और उनके जोड़ हुए कसमों-वादों पर निर्भर करता है। लेकिन जरा सा भी वैलेंस बिगड़ा तो रिश्ता घर का धागा रह जाएगा।



- **घर का खर्चा :** अगर होने वाले पति-पत्नी दोनों ही वर्किंग हैं, तो उन्हें सबसे पहले एक-दूसरे से घर खर्च के बारे में तमाम सवाल पूछ लेने चाहिए। किस किसी डिपेंडेंसी के उन्हें इस बात पर जोर देना चाहिए कि शादी के बाद घर का खर्च कैसे वहेगा? अगर आपकी इनकम अपने पति से कम है तो आप किन-किन जिम्मेदारियों को उठाने में सक्षम हैं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि एक शादी से जिसेप स्वाभाविक सबसे ज्यादा सामने रखती है।
- **घर की जिम्मेदारियां :** घर बसाने के लिए समय और पैसे को सबसे ज्यादा जरूरत होती है और यह इन लोगों के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल हो जाता है जिनको लाइफस्टाइल बहुत ज्यादा किली होती है। ऐसे लिले कुछ समझौते के लिए तो चल जाते हैं, लेकिन समय के साथ-साथ उनको बोझ दोनों लोगों को फ्रीडम को खोखला कर देते हैं। ऐसे में अगर आप दोनों ही शादी करने को तैयार हैं तो घर को जिम्मेदारियों को निभाहित करना भी सही रहेगा।
- **फैमिली प्लानिंग :** यह एक सवाल है जिससे ज्यादातर लड़कियां पूछना तो चाहती हैं, लेकिन झिझक के दबाव, सामने से संकोच की वजह से पूछ नहीं पातीं। ऐसे लड़कियों को इस बात को ऐसे समझना चाहिए कि यही सवाल आपके करियर और आने वाली जिंदगी को सुरक्षित बना सकता है। ऐसे में अपने पार्टनर से आप कुछ कितने बच्चे चाहते हैं? बच्चों के लिए किस तरह का जीवन तैना चाहिए? या लड़कियां फैमिली प्लानिंग को लेकर क्या सोचता है, इसे पूछने में जरा भी झिझकें नहीं करनी।
- **परिवार के साथ रहना :** कुछ सी लड़कियों को इस बात से आपत्ति होती है कि उन्हें शादी के बाद परिवार के साथ रहना पड़ा तो उनकी आजादी बहुत हद तक खत्म हो जाएगी। इस बात को अगर शादी से पहले कितनर कर लिया जाए तो शायद आपको किसी निष्कर्ष तक पहुंचने में आसानी होगी।

बाल कहानी

चैरी का तरीका



चैरी कौवी बहुत शरारत थी। वह अपनी दादी रीक को लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, चैरी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यास होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। वह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई। कहानी सुनकर कैरी बोली, दादी, हमें सारे पत्थर डालने-डालने तो वह कौवा बहुत थक गया होगा। दादी बोलीं, बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न। हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।

चैरी बोली, दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की तो बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपने प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें। उसको बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, चलो, देखते हैं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। चलो अब मैं चलती और तुम खेलो। बात के तालाब पास स्वच्छ पानी से लबालब भरे रहते हैं।

चैरी बोली, दादी, चलो अब मैं चलती हूं, पर पता है, आजकल इनसानों को बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइज वाले मैसेज मिले हमें कल बता रहे थे कि नगरों के बीसाल में इनसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत बार इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर लेते हैं। चैरी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। चैरी उन्हें कुछ समझाती, उससे पहले ही इनसानों की बस्ती में पहुंच गई। चैरी को बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। चैरी उन्हें कुछ समझाती, उससे पहले ही इनसानों की बस्ती में पहुंच गई। चैरी को बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। वे चैरी के पीछे-पीछे बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। वह देखकर चैरी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने चैरी के नल बंद करते हुए वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, यार, हम लोग आए दिन पानी बरबाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं। यह सुनकर सब चैरी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

चैरी बोली, दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं। इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए चैरी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, बेटी, चलो कहीं पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है। काफी ढूंढने के बाद उसे एक पेड़ नजर आया। उसने पेड़ में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। पेड़ में पानी बहुत कम था। चैरी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़े एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने वे तोड़कर वह स्ट्रॉ उठाया और पेड़ के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहां ले आई।

फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को पेड़ के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजे से पकड़ लिया। दादी ने उस पतले स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर चैरी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी खुशी घर की ओर लौट चलीं।



आर्ट की दुनिया में रंग डाल कर बनाओ सपने अपने

ये दुनिया है आर्ट यानी कला की जो तुम्हें कॉन्फिडेंस के साथ ही पॉजिटिविटी भी दे सकती है। फिजिक्स और मैथ्स की दिमाग उलझाने वाली पहेलियां, सोशल साइंस के घुमावदार गलियारे, लैंग्वेज की चक्करदार ग्रामर और बॉटनी-जूलॉजी की रहस्यमयी दुनिया, अगर दुनिया सिर्फ और सिर्फ स्कूल की टेक्स्टबुक्स में सिमट कर रह जाए तो बोरिंग हो जाएगी। तो इस दुनिया के साथ हिस्सा बनो उस दुनिया का जो रंग-बिरंगी है, अनूठी है और सबसे बड़ी बात, जहां तुम अपने सपनों को अपने हिसाब से रंग दे सकते हो। ये दुनिया है आर्ट यानी कला की जो तुम्हें कॉन्फिडेंस के साथ ही पॉजिटिविटी भी दे सकती है और जिंदगी में हमेशा तुम्हारे काम आ सकती है, किसी सच्चे दोस्त की तरह।



हर आर्ट के लिए एक चांस

रंग हों या फिर डांस

आर्ट के किसी भी ऐसे फॉर्म को चुनो जो तुम्हें अपने लिए सबसे अच्छा लगता हो। फिर चाहे ये पेंटिंग हो, सिंगिंग, डांसिंग, पेपर वर्क, ग्लास वर्क या और कोई भी प्रकार। ये बिलकुल भी जरूरी नहीं कि इसमें कोई महंगा कोर्स किया जाए, किसी बड़ी क्लास में एडमिशन लिया जाए या फिर बहुत मंहगा रॉ मटेरियल यूज किया जाए। जरूरी सिर्फ ये है कि जो आर्ट फॉर्म तुम अपना रहे हो उससे तुम्हें खुशी मिलती हो। फिर चाहे तुम घर में पड़ी पुरानी चीजों से कोई आर्ट पीस ही क्यों न बनाओ।

यहां कोई नकल नहीं न ही कोई टारगेट

जिंदगी में अगर अब तक तुम क्लास में अच्छे मार्क्स लाने, किसी कॉम्पीटिशन में नंबर वन आने या सिर्फ अच्छा कॉलेज और अच्छा पैकेज पाने के लिए मेहनत कर रहे थे तो अब इस काम को बिना किसी प्रेशर के चुनो। न तो आर्ट फॉर्म चुनने में किसी की नकल करो, न ही किसी और के जैसा बनने की कोशिश। याद रखो कि दुनिया में नकल हमेशा सेकेंड नंबर पर होती है जबकि यूनिक आइडिया हमेशा नंबर वन पर।

100 पर्सेंट = 100 पर्सेंट

एक चीज है जो यहां भी तुम्हें पढ़ाई की तरह ही अप्लाय करनी होगी और वो है अपना हंड्रेड पर्सेंट देना। इससे न केवल तुम्हें किसी भी चीज को सीखने में आसानी होगी बल्कि कभी जरूरत पड़ने पर तुम अपनी सीखी चीज को प्रोफेशन के तौर पर भी अपना सकते हो। यही नहीं हंड्रेड पर्सेंट देने से तुम्हें अपनी सीखी चीज की वैल्यू भी हमेशा रहेगी।

सबको करो इन्वॉल्व क्योंकि यूनिक होता है हर ख्वाब

सुबह जल्दी उठकर वॉक पर जाते दादू हों, पूजा घर में भगवान के लिए थाली सजाती दादी, घर के साथ ऑफिस मैनेज करती मां हों या दिनभर फील्ड में रहकर ऑफिस के काम निपटाते पापा, स्कूल में तुम्हारे साथ लांच शेयर करने वाला फ्रेंड हो या फिर घर में तुम्हारा फेवर लेने वाली तुम्हारी दीदी, ऐसे कई लोग तुम्हारे आस-पास हो सकते हैं जिनके पास गजब के आइडियाज हों। अपने आर्ट फॉर्म को बनाते समय इन लोगों को भी इन्वॉल्व करो। जो आइडिया जम जाए उसे यूज करो। इस तरह तुम एक फैमिली आर्ट पीस बना सकते हो।



रचो वही जो दिल को भाए

अगर तुम गर्मी की छुट्टियों में अपने मन से किसी हॉबी क्लास को ज्वॉइन करना चाहते हो तो बहुत अच्छा है लेकिन अगर ऐसा नहीं हो सकता है तो घर पर ही कुछ नया सीखो। चाहे वो मां की कोई पसंद की रेसिपी हो या पापा की टाई को बांधने का आर्ट। ये चीजें तुम्हें आगे जाकर भी काम आएंगी। इसके अलावा क्लास ज्वॉइन करो या नहीं, जो भी बनाओ, दिल से बनाओ। फिर चाहे वो कोई रेसिपी हो या पेंटिंग।

हर दिन नया है, नए आइडिया से भरा

कोई भी नई चीज सीखने के लिए हमेशा अपनी आंखें, कान और दिमाग खुला रखो। बाजार में घूमते हुए, इंटरनेट को सर्फ करते हुए, अपने दोस्तों के साथ बगीचे में खेलते हुए, बस, ऑटो या अन्य किसी व्हीकल में सफर करते हुए या कहीं बाहर घूमने जाने पर नए पेड़ -पौधों, लोगों के चेहरों, उनके ड्रेसेस, आस-पास के इनायरमेंट आदि को ध्यान से देखो। ये सबकुछ तुम्हें कुछ नया और क्रिएटिव करने की प्रेरणा देगा।

एक सरप्राइज जो खुशियों का ब्लास्ट कर दे

तुम्हारे हाथ से बना कोई ग्रीटिंग या आर्ट पीस तुम्हें जितनी खुशी देगा उससे ज्यादा ये उन्हें खुश कर देगा जिन्हें तुम ये गिफ्ट के तौर पर दोगे। जरूरी नहीं कि हर बार तुम फैमिली के मेंबर्स को महंगा उपहार ही दो, तुम्हारे हाथ से बनी कोई छोटी सी चीज भी सबको खुश कर सकती है।

जिंदगी भर रहे साथ आर्ट फीलिंग

आर्ट से जुड़े रहने का फायदा तुम्हें जिंदगी में हमेशा मिलेगा। सबसे बड़ी बात तो यह कि कला से जुड़ी कोई भी एक्टिविटी दिमाग को पॉजिटिव तरीके से व्यस्त रखती है। साथ ही इससे किसी भी प्रोफेशन में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है क्योंकि यह फोकस्ड रहने में मदद मिलती है। यही कारण है कि आजकल किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के दौरान भी किसी व्यक्ति में आर्ट रिलेटेड हुनर को लेकर सवाल पूछे जाते हैं और इसका फायदा भी आगे तक मिलता है। यानी आर्ट पूरी जिंदगी साथ रहता है।इसी व्यक्ति में आर्ट रिलेटेड हुनर को लेकर सवाल पूछे जाते हैं और इसका फायदा भी आगे तक मिलता है। यानी आर्ट पूरी जिंदगी साथ रहता है।

सपने के अंदर सपना

अयान सकते में था। भला यह कैसे हो सकता है! वह अपने एक स्कूल टीचर रेड्डी सर के घर में उनके ठीक सामने बैठा उनसे बातें कर रहा था। वही रेड्डी सर, जिन्होंने एक दिन पहले उसे पूरी क्लास के सामने डांट लगाई थी। वही रेड्डी सर, जिन्हें फिजिक्स का क्वेश्चन पेपर सेट करना था। वही रेड्डी सर, जिनसे उसे थोड़ा-थोड़ा डर लगता था। अयान रेड्डी सर से बातें भी कर रहा था और खुद के उनके घर पर होने को लेकर हैरान भी था। अचानक उसे पता नहीं क्या सूझा, उसने सर के हाथ की बीच की उंगली का नाखून ऐसे दबाया, जैसे कि वह कोई बटन हो। उसके ऐसा करते ही सब-कुछ घूमने लगा, ठीक वैसे, जैसे वॉशिंग मशीन में कपड़े घूमते हैं। कुछ मिनट बाद जब यह हलचल थमी तो अयान और रेड्डी सर, दोनों गहरी नींद में सो चुके थे।

कुछ पलों के लिए अंधेरा छाया और फिर दोनों की नींद टूटी। अयान की हैरानी का ठिकाना नहीं था, क्योंकि रेड्डी सर के माथे पर एक-एक करके हरे रंग की चमकदार लाइट में फिजिक्स के सवाल लिख कर आ रहे थे। अयान को समझते देर न लगी कि ये वही सवाल हैं, जो एग्जाम में आने वाले हैं। उसने तुरंत जेब से पापा का स्मार्टफोन निकाला और एक-एक कर सवालों के स्क्रीनशॉट लेने लगा। रेड्डी सर उसे ऐसा करने से मना कर रहे थे, पर अयान ऐसा मौका अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहता था। सर के कई बार मना करने के बावजूद अयान ने उनकी एक न सुनी। जब आखिरी सवाल का स्क्रीनशॉट लेने के बाद अयान ने रेड्डी सर की तरफ देखा तो उनके चेहरे पर एक मुस्कान थी।

उसने पूछा,'आप मुस्करा क्यों रहे हैं?'

सर ने जवाब दिया, 'तुम्हारे पास एग्जाम में आने वाले सारे सवालों की लिस्ट तो है, पर यह किसी काम की नहीं है।'

अयान ने पूछा, 'क्यों? मैं कल की छुट्टी में इन्हीं सवालों के जवाब तैयार कर लूंगा। फिर मुझे कौन रोक पाएगा फिजिक्स में टॉप करने से?'

'क्योंकि यह कोई हकीकत नहीं, बल्कि सपना है। वह भी आम सपना नहीं, बल्कि सपने के अंदर सपना है। यानी कि अभी तुम सपने के दूसरे स्तर पर हो। तुम चाह कर भी इससे बाहर नहीं जा सकते।'

अयान को काटो तो खून नहीं।

'यह कैसे हो सकता है? ऐसा तो मैंने एक हॉलीवुड फिल्म में देखा था। और अगर है भी तो, तो.मैं अभी सो जाता हूं। जब उठूंगा तो इस सपने से बाहर आ जाऊंगा। स्क्रीनशॉट तो मेरे फोन में है ही।'

ऐसा कहकर अयान सोने की कोशिश करने लगा, पर रेड्डी सर की हंसी के चलते उसे चाह कर भी नींद नहीं आ रही थी। वह बहुत लाचार महसूस कर रहा था। अयान पढ़ाई में अच्छा था, लेकिन फिजिक्स में कुछ कमजोर था। रेड्डी सर का दिमाग पढ़कर हासिल किए गए सवालों की लिस्ट उसे फिजिक्स में टॉप करने का एक आसान रास्ता लग रही थी, पर ऐसा करने के लिए उसे इस सपने से बाहर आना था। और ऐसा हो नहीं पा रहा था। तभी उसे अपनी योगा क्लास में सीखा गया ध्यान लगाने का तरीका याद आया। उसने तुरंत ही आंखें बंद कीं, ध्यान लगाया और कुछ ही मिनट बाद वह गहरी नींद में था।

पर यह क्या, जब उसकी आंख खुली तो वह एक बार फिर से रेड्डी सर के घर में था।

उसने माथा पीट लिया। 'तो यह सच है! मैं सचमुच एक सपने के अंदर सपना देख रहा हूं।' एक बार फिर अयान ध्यान लगाने की कोशिश करने लगा, पर इस बार रेड्डी सर के घर में इतना शोर था कि वह ध्यान नहीं लगा पाया। खीझ से उसकी आंखें भर आईं। तभी अचानक एक तेज आवाज ने उसे और रेड्डी सर- दोनों को चौंका दिया। इस बार उसने खुद को अपने घर के बिस्तर पर पाया। आवाज अलार्म घड़ी की थी। उसके हाथ में था मशहूर कवि एडगर एलन पो की कविता 'ए ड्रीम विदिन ए ड्रीम' का प्रिंटआउट और सामने टीवी स्क्रीन पर चल रही थी एक हॉलीवुड फिल्म, जिसमें हीरो खास मकसद से सपने के अंदर सपना और उस दूसरे सपने के अंदर एक और सपना देखता है। इस दौरान वह एक दूसरे व्यक्ति के दिमाग से जानकारियां चुराता है।

अब अयान को सारा माजरा समझ में आया। उसने स्मार्टफोन तलाशने के लिए अपनी जेब में हाथ डाला, पर फिर देखा कि वह तो सामने मेज पर रखा हुआ था। सपनों के कई स्तरों वाली इस फंतासी के बारे में सोचते-सोचते कब वह खुद ही इसमें डूब गया, उसे पता ही नहीं चला। उसे अपनी सोच पर हंसी आ गई और यह सोचकर तो और भी हंसी आई कि जब वह रेड्डी सर को इस सपने के बारे में बताएगा तो वह कितना हंसेंगे। उसने मम्मी को आवाज लगाई, 'मम्मी, जल्दी से नाश्ता लगा दीजिए। मुझे आज दिन भर फिजिक्स के एग्जाम की तैयारी करनी है।'



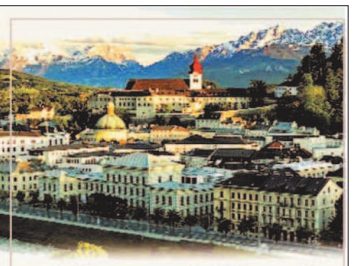

ऑस्ट्रिया में मिलती हैं लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स

टूरिज्म और घुमक्कड़ लोगों के लिए पहचाने जाने वाले देश ऑस्ट्रिया में लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स मिलती हैं वो भी सैलेरी के साथ। यहां के कर्मचारियों को 20 से भी ज्यादा पेड वैकेशन्स और दो दर्जन से भी ज्यादा पेड हॉलिडे मिलते हैं।



टूरिज्म और घुमक्कड़ लोगों के लिए पहचाने जाने वाले देश ऑस्ट्रिया में लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स मिलती हैं वो भी सैलेरी के साथ।

हां पढ़ने में यह बात थोड़ी अटपटी लग सकती है लेकिन असल में पूरा ग्लोब कई सारी रोमांचक और ज्ञान बढ़ाने वाली चीजों से भरा पड़ा है। ऐसे ही कुछ फैक्ट्स चलो आज मिलकर जानते हैं।

टूरिज्म और घुमक्कड़ लोगों के लिए पहचाने जाने वाले देश ऑस्ट्रिया में लोगों को सबसे ज्यादा वैकेशन्स मिलती हैं वो भी सैलेरी के साथ। यहां के कर्मचारियों को 20 से भी ज्यादा पेड वैकेशन्स और दो दर्जन से भी ज्यादा पेड हॉलिडे मिलते हैं। जबकि अमेरिका एकमात्र ऐसा विकसित देश है जहां लोगों को कानूनी तौर पर एक भी पैड वैकेशन या हॉलीडे नहीं मिलता। दुनिया के कुछ देश ऐसे भी हैं जहां के लोगों की जीविका का मुख्य आधार उनके देश में आने वाले पर्यटक होते हैं लेकिन यह जानना और भी मजेदार है कि अमेरिका का हर आठ में से एक जॉब किसी न किसी तरह ट्रेवल और टूरिज्म से जुड़ा होता है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया की सबसे लम्बी फ्लाइट ट्रिप यानी हवाई यात्रा ऑस्ट्रेलिया में सिडनी से अमेरिका के डलास तक की है। इस एक बार के सफर को पूरा करने में लगभग 16 घंटे लगते हैं। वहीं सबसे कम समय की यात्रा के लिए एक स्कॉटिश टापू का सफर चुना जा सकता है। यह सफर मात्र 2 मील का होता है जहां फ्लाइट सिर्फ दो मिनट में पहुंचा देती है। अलग-अलग टाइम जोन्स में घूमकर चक्कर खाने का मन हो तो फ्रांस की सैर पर जाओ। यहां लगभग 12 अलग-अलग टाइम जोन्स का एक्सपीरियंस हो सकता है। यही नहीं फ्रांस दुनियाभर में मोस्ट विजिटेड कंट्री यानी सबसे ज्यादा घूमी जाने वाली जगह भी है।



सेहत भरी ताजी हवा लेने का इरादा हो तो रूस जाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। यह बड़ा ही मजेदार फैक्ट है कि रूस दुनिया में ज्यादा ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। बच्चों के मामले में सबसे अच्छी शिक्षा देने वाले फिनलैंड में डोनाल्ड डक के कॉमिक्स पर बैन है क्युंकि डोनाल्ड डक केवल शर्ट ही पहनता है।

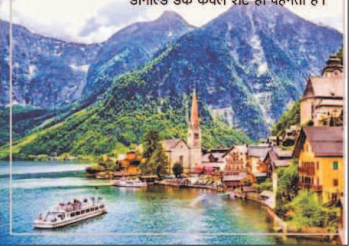

ांस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने अंतिम लीग मुकाबले में मजबूत मैनपाट टाइटन्स को 4-0 से हराया

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग : न्यायधानी, संस्कारधानी मैनपाट और बैलाडीला सेमीफाइनल में





नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में शुक्रवार को रोमांचक मुकाबलों के बाद न्यायधानी नाइट्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, मैनपाट टाइटन्स और बैलाडीला बुल्स ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

आशीष तानी पूर्ति की हैट्रिक से संस्कारधानी की शानदार जीत

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने अंतिम लीग मुकाबले में मजबूत मैनपाट टाइटन्स को 4-0 से हराया। आशीष तानी पूर्ति ने शानदार हैट्रिक लगाते हुए टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या 12 तक पहुंचा दी। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, दूसरे क्वार्टर में आशीष ने ड्रैग फ्लिक से खाता खोला, तीसरे क्वार्टर में दो और गोल दागे और अंतिम क्षणों में शाहरुख के पास पर ओम कुमार यादव ने स्कोर 4-0 कर दिया।

आशीष तानी पूर्ति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिक्षा खलको एवं हॉकी इंडिया के संयुक्त सचिव फिरोज अंसारी ने उन्हें सम्मानित किया।

बैलाडीला बुल्स ने चक्रधर चैंपियंस को 6-2 से हराया

दूसरे अहम मुकाबले में बैलाडीला बुल्स ने चक्रधर चैंपियंस को 6-2 से शिकस्त दी। पहले ही मिनट में आनंद ने रिवर्स फ्लिक से गोल किया। जसकरण सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर सहित शानदार गोल किए, आनंद और गोपाल ने भी स्कोर किया। चक्रधर की ओर से खोगेश्वर बाग और युवराज वाल्मीकि ने गोल किए, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

31 अक्टूबर को सेमीफाइनल

31 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे पहला सेमीफाइनल न्यायधानी नाइट्स ५२ संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और शाम 7:30 बजे दूसरा सेमीफाइनल बैलाडीला बुल्स ५२ मैनपाट टाइटन्स खेला जाएगा।

रणजी ट्रॉफी 2026-27 : छत्तीसगढ़ ने आंध्र प्रदेश को 5 विकेट से हराया



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ ने शानदार जीत दर्ज की है। डीवीआर स्टेडियम, मुलापाडु, आंध्र प्रदेश में 26 से 29 अक्टूबर तक खेले गए तीसरे मैच में छत्तीसगढ़ ने मेजबान आंध्र प्रदेश को 5 विकेट से हरा दिया।

आंध्र प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। पहली पारी में आंध्र की टीम 73.2 ओवर में 231 रन पर सिमट गई। एस वी राहुल ने 89 रन, शशिकांत ने 31 और शेख राशिद ने 24 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से जयंत यादव ने 4 विकेट और अजय मंडल ने 3 विकेट झटके। धर्मेंद्र सिंह जडेजा को 2 सफलता मिली।

जवाब में छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में 107.3 ओवर में 237 रन बनाकर 6 रन की बढ़त हासिल की। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज अमनदीप खरे ने नाबाद 89 रनों की शानदार पारी खेली। अनुज तिवारी ने 34 और अजय मंडल ने 29 रन बनाए। आंध्र की ओर से टी विजय ने 4 और सौरभ कुमार ने 3 विकेट लिए।

आंध्र ने दूसरी पारी में 32 ओवर में 3 विकेट पर 184 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। रिकी भुई 72 और करन शिंदे 53 रन पर नाबाद रहे। छत्तीसगढ़ के धर्मेंद्र जडेजा ने 2 विकेट लिए।

179 रनों का लक्ष्य आसानी से किया पार

179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ ने 35.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 182 रन बनाकर रोमांचक जीत हासिल की। अनुज तिवारी ने 60 रन, देव आदित्य सिंह ने नाबाद 34 और अमनदीप खरे ने 30 रनों का अहम योगदान दिया।

डीडी नगर में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार, 1.50 लाख का माल बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



डीडी नगर थाना क्षेत्र के डंगनिया में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 1.50 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण, 6 घड़ियां और घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

प्रार्थी स्वरोचिष मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 अक्टूबर की रात वह घर में ताला लगाकर बाहर गया था। 23 अक्टूबर को लौटा तो ताले टूटे थे, अलमारी का लॉकर टूटा था और जेवर व नकदी गायब थी। रिपोर्ट पर थाना डीडी नगर में अपराध क्रमांक 676/26 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मामले को गंभीरता से लेते हुए DCP क्राइम स्मृतिक राजनाला और ऊठढ पश्चिम रॉबिन्सन गुरिया के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर मोती नगर टिकरापारा निवासी यशवंत उर्फ लक्की दास मानिकपुरी को पकड़ा गया। कड़ाई से पूछताछ में उसने अपने साथी शेख मोसिन उर्फ अल्ताफ और परमेश्वर निर्मलकर उर्फ बाबा के साथ चोरी करना कबूल किया।

पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि यशवंत उर्फ लक्की और शेख मोईन उर्फ अल्ताफ पूर्व में भी चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट के मामलों में जेल जा चुके हैं।

गिरफ्तार आरोपी -

1. यशवंत उर्फ लक्की दास मानिकपुरी (18), मोती नगर टिकरापारा 2. शेख मोसिन उर्फ अल्ताफ (19), मोती नगर टिकरापारा 3. परमेश्वर निर्मलकर उर्फ बाबा (20), मोती नगर टिकरापारा

धान खरीदी का निर्णय किसान विरोधी, सरकार दे रही है धोखा : कमलजीत सिंह पिंटू

धान खरीदी के निर्णय को किसान विरोधी और निराशाजनक बताया है

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिंटू ने साय कैबिनेट में 27 अक्टूबर को लिए गए धान खरीदी के निर्णय को किसान विरोधी और निराशाजनक बताया है।

उन्होंने कहा कि साय सरकार पिछले तीन साल से किसानों को धान का एक ही दाम देकर ठग रही है। इन तीन सालों में केंद्र सरकार ने धान की MSP में लगभग 380 रुपये की वृद्धि की है, इस हिसाब से इस वर्ष किसानों को कम से कम 3500 रुपये प्रति क्विंटल मिलना चाहिए था, लेकिन कैबिनेट ने फिर 3100 रुपये प्रति क्विंटल ही देने का फैसला किया है। यह अन्नदाताओं के साथ धोखा है।



पिंटू ने कहा कि सरकार 27.50 लाख किसानों से 15 नवंबर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी की बात तो कर रही है, लेकिन दाम वही पुराना देकर वाहवाही लूट रही है।

उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य करने पर भी सवाल उठाए। कहा कि हजारों किसान किसी कारण से एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं करा पाए हैं, उनके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे किसान धान बेचने से वंचित हो जाएंगे। सरकार ऋण पुस्तिका नहीं लाने और डिजिटल क्रॉप सर्वे (उऊर) से रकबा निर्धारण की बात कह रही है, लेकिन उऊर सर्वे में भारी विसंगतियां हैं। इससे गांव-गांव में विवाद होगा और त्रुटि सुधार में ही खरीदी का समय निकल जाएगा। सरकार 360 नए केंद्र खोलकर 3100 केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन से खरीदी की बात कर रही है, लेकिन जब रकबा ही गलत दर्ज होगा तो किसान केंद्र तक कैसे पहुंचेगा। यह निर्णय किसान हितैषी नहीं, बल्कि परेशान करने वाला है।

भाटापारा पुलिस का मास्टर स्ट्रोक : 'ऑपरेशन प्रहार' में 22 आरोपी गिरफ्तार, अवैध शराब और सट्टा पट्टी जब्त

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार



जिले में अपराध और अपराधियों के सफाए के लिए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में पुलिस ने महाअभियान 'ऑपरेशन प्रहार' का आगाज किया है। एक ही दिन में जिले भर में ताबड़तोड़ दबिश देकर पुलिस ने 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की रणनीति के तहत सोमवार से गुरुवार तक गुप्त निगरानी, मैदानी सुरागकशी और चिन्हांकन किया गया। शुक्रवार तड़के सूरज निकलने से पहले ही सभी चिन्हित ठिकानों पर एक साथ दबिश देकर बदमाशों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया।

206 पाव देसी मसाला शराब और 63 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब, कीमत 33,695, सट्टा पट्टी लिखने वाले 2 आरोपियों से सट्टा पट्टी और नगद 1720 - अवैध शराब बिक्री के 13 आरोपी, सट्टा पट्टी लिखने वाले 2 आरोपी, 4 स्थाई वारंटी, 1 फरार और 1 जिलाबदर आरोपी सहित कुल 22 गिरफ्तार किया है।

थानेवार कारवाई -सिमगा : कमलेश साहू (35 पाव), सुशील भोई (32 पाव), नोमन मार्कण्डेय (14 पाव) और 1 फरार आरोपी गिरफ्तार।

गिधौरी : ननकी गोड से 12 लीटर महुआ शराब और 200 बिक्री रकम जब्त।

पलारी : भिखम कुर्रे (12.2 लीटर) और सुशीला मिरी (10 लीटर) महुआ शराब के साथ गिरफ्तार।

कसडोल :बरातू डहरिया (6 लीटर), पवन पासवान (7 लीटर), नरेश कुर्रे (8 लीटर)।

भाटापारा शहर : गुलापा भारती (42 पाव) और कोमल डहरिया (36 पाव) मसाला शराब के साथ। **सोनाखान** : सुकसिंह धनवार से 7 लीटर महुआ शराब जब्त। **भाटापारा ग्रामीण** : सीता यदु से 47 पाव मसाला शराब (5170) जब्त।

हथबंद : अमरीका टंडन और रामसिंग देवदास को सट्टा पट्टी लिखते रंगेहाथ गिरफ्तार।

लवन : जिलाबदर आरोपी गीतेश तिवारी उर्फ अंश को क्षेत्र में घूमते पाए जाने पर राज्य सुरक्षा अधिनियम और इठर की धारा 223 के तहत गिरफ्तार किया गया। एसपी गौरव राय ने कहा कि अपराधमुक्त बलौदाबाजार-भाटापारा के संकल्प के तहत यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

मुंगेली में नाबालिग की गला दबाकर हत्या

मुंगेली। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम नेवासपुर में 17 वर्षीय नाबालिग बालिका की हत्या के मामले में मुंगेली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (क्ढर) के निर्देशन में पुलिस ने रिविजन आवेदन पेश कर दोनों आरोपियों को आज जेल दाखिल करा दिया है। 20 अक्टूबर 2026 को ग्राम नेवासपुर में नाबालिग की संदिग्ध मौत की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। पोस्टमार्टम में मौत का कारण गला घोंटने से दम घुटना आया। इसके बाद अपराध क्रमांक 343/2026 धारा 103 इठर के तहत मामला दर्ज कर जांच तेज की गई। भोजराम पटेल के निर्देशन, एडिशनल रढ नवनीत कौर छाबड़ा और रऊढढ आशीष अरोरा के मार्गदर्शन में सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने जांच में पाया कि मृतिका का मुख्य आरोपी अजीत घृतलहरे से प्रेम संबंध था।


GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market


अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991


Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
baked.by.suhani
posts, mesage
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow
Message
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.by.suhani
MO.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100